RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 145 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 10 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

नायब तहसीलदार की गाड़ी ने मारी टक्कर,चाचा भतीजे की मौत

महासमुंद। महासमुंद जिले में हुए सड़क हादसे में चाचा-भतीजे की मौत हो गई है। नायब तहसीलदार की गाड़ी ने बाइक सवार दोनों को टक्कर मार दी। जिससे मौके पर ही उनकी की मौत हो गई। हादसे के बाद मोटर साइकिल में आग लग गई। जिससे बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई।

हादसा पटेवा थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक नायब तहसीलदार भवानी शंकर साहू गुरुवार शाम को झलप से बागबाहरा की ओर जा रहे थे। वो अभी झलप-बागबाहरा रोड पर नरतोरा के पास पहुंचे थे। तभी ये दुर्घटना हो गई। आस-पास के लोगों ने बताया कि भवानी शंकर खुद गाड़ी चला रहे थे। इसी दौरान सामने से एक बाइक आ रही थी और दोनों में टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि मोटर साइकिल सवार रोड किनारे जा गिरे, उनके शरीर से काफी खून बह गया था। वहीं नायब तहसीलदार भी घायल हुए हैं।

घटना के बाद नायब तहसीलदार को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा पुलिस को भी सूचना दी गई थी। खबर मिलते ही पुलिस की टीम और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। जिसके बाद आस-पास के गुस्साए लोगों को शांत कराया गया है। नायब तहसीलदार कि जिस कार से यह हादसा हुआ है। उसमें लर्निंग का रुलिखा हुआ है। यह इस बात का संकेत है कि इस कार को जो शख्स चला रहा है, वह गाड़ी अभी सीख रहा है। उसे कार चलाने का अनुभव नहीं है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए 430 नौकरियां, 8वीं पास भी कर सकेंगे आवेदन

रायपुर। प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को नौकरी हासिल करने का मौका मिलने जा रहा है। प्रशासन की ओर से एक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्थानीय प्राइवेट संस्थाओं के साथ मल्टीनेशनल कंपनी में युवाओं को काम करने का मौका मिलेगा। 8वीं पास से लेकर ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इस भर्ती में शामिल हो सकते हैं। प्लेसमेंट में शामिल होने के लिए युवाओं को अपने क्वालिफिकेशन और एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट्स के साथ पहुंचना होगा। प्लेसमेंट कैम्प 14 मार्च को रायपुर में होने जा रहा है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए ये कैम्प लगा रहा है। राजधानी के पुराने पुलिस हेड क्वार्टर कैम्पस में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक कैम्प आयोजित है।

केंद्र सरकार की घोषणा- रिटायर्ड अग्निवीरों को बीएसएफ में मिलेगा 10 फीसदी रिजर्वेशन

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने रिटायर्ड अग्निवीरों के लिए क्रस्न में 10त्न रिजर्वेशन की घोषणा की है। साथ ही अपर एज लिमिट में भी छूट दी गई है। ये छूट इस बात पर निर्भर करेगी कि अग्निवीर पहले बैच का हिस्सा हैं या बाद के बैचों का। इतना ही नहीं इन लोगों को फिजिकल टेस्ट भी नहीं देना पड़ेगा। यह घोषणा बीएसएफ जनरल ड्यूटी कैडर रिक्रूटमेंट रूल्स 2015 में अमेंडमेंट के बाद की गई है। केंद्र ने यह अधिसूचना 6 मार्च को ही जारी कर दी थी। इसके मुताबिक कॉन्स्टेबल पोस्ट के लिए अग्निवीरों के पहले बैच के कैंडिडेट को अपर एज लिमिट में 5 साल की छूट मिलेगी, जबकि इसके बाद के सभी बैचों के कैंडिडेट को अपर एज लिमिट में 3 साल की छूट दी जाएगी।

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना : बजट में मिले 100 करोड़ रुपए

एक एकड़ पर हर साल मिलेंगे 15 से 20 हजार

श्रीकंचनथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य में वृक्षों के व्यवसायिक उपयोग को बढ़ावा देने की अपार संभानाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना को लागू किए जाने की घोषणा की गई है। योजनांतर्गत कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषकों की सहमति पर उनके भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण किया जाना है। राज्य में इसके सफल क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा वर्ष 2023-24 के प्रस्तुत बजट में 100 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में 'मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना' लागू किये जाने की घोषणा उपरान्त छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना की क्रियान्वयन की तैयारी में वन विभाग जुट गया है और तैयारियां जोरो पर है। वन विभाग द्वारा वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन और वन विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ के निर्देशन में अब तक 19 हजार से अधिक हितग्राहियों के लगभग 30 हजार एकड़ निजी भूमि में वृक्षारोपण हेतु पंजीयन किया जा चुका है।

इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजय शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनांतर्गत राज्य में इस वर्ष 12 प्रकार के प्रजाति के वृक्ष का 30 हजार एकड़ रकबे में रोपण किया जाएगा। इनमें से क्लोनल यूकलिप्टस का 17 हजार 182 एकड़ में, रूटशूट टीक का 6 हजार 456 एकड़ में, टिश्यू कल्चर का 2 हजार 617 एकड़ में, चंदन का 1 हजार 462 एकड़ में, मेलिया दुबिया का 8 सौ 34 एकड़ में, सामान्य बांस का 7 सौ 37 एकड़ में, टिश्यू कल्चर बम्बू का 6 सौ 7 एकड़ में, रक्त चंदन का 1 सौ 26 एकड़ में, आमला का 43 एकड़ में, खमार का 40 एकड़ में, शीशम का 20 एकड़ में तथा महानीम का 20 एकड़ रकबे में लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

5 वर्षो में 1.80 लाख एकड़ में 15 करोड़ का लक्ष्य

मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना अंतर्गत किसान, इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय, अर्ध शासकीय एवं शासन के स्वायत्त संस्थाएं, निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, पंचायत तथा भूमि अनुबंध धारक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। राज्य शासन द्वारा 1 वर्ष में 36 हजार एकड़ तथा 5 वर्षो में 1 लाख 80 हजार एकड़ क्षेत्रफल में कुल 15 करोड़ वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है।इस योजनांतर्गत राज्य शासन द्वारा 5 एकड़ तक वृक्षारोपण हेतु 100 प्रतिशत अनुदान तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान देगी। चिन्हित वृक्ष प्रजातियों की खरीदी हेतु न्यूनतम क्रय मूल्य का निर्धारण भी शासन द्वारा किया जाएगा। 5 वर्षो में रोपित सभी प्रजातियो के वृक्ष परिपक्व होने पर उनका मूल्य 10 हजार करोड़ रुपये होने की सम्भावना है। इस योजना से किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 15 हजार से 50 हजार रूपए तक की आय सम्भावित है। इसके अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट के माध्यम से भी किसानों को अतिरिक्त आय होगी। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना अंतर्गत समस्त वर्ग के सभी इच्छुक भूमि स्वामी पात्र होंगे। इसके अलावा शासकीय, अर्धशासकीय तथा शासन के स्वायत्व संस्थान जो अपने स्वयं के भूमि पर रोपण करना चाहते हैं, पात्र होंगे। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है।

सुपेला चौक पर बड़ा हादसा : साइकिल सवार को ट्रक ने कुचला, मौके पर मौत

■ सुपेला थाना क्षेत्र का मामला गुस्साए परिजनों ने घेरा थाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला घड़ी चौक पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक साइकिल सवार को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई। हादसे के बाद ट्रक को छोड़ चालक फरार हो गया जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को सुपेला अस्पताल पहुंचाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा शुक्रवार सुबह 7:30 बजे का है। मृतक की पहचान सुपेला चिंगारी पारा निवासी खड़क सिंह (55) के रूप में हुई है। वह नींबू का व्यापार करता था। आज सुबह वह नींबू लेने सुपेला होलसेल सब्जीमंडी जा रहा था इस दौरान सुपेला घड़ी चौक पर में हादसे का शिकार हो गया। रायपुर की ओर जा रही ट्रक ने खड़क सिंह को चपेट में ले

लिया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सुपेला पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आरोपी चालक गिरफ्तार

घटना के बाद सुपेला पुलिस ने फरार ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। ट्रक चालक के खिलाफ सुपेला पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। वहीं मृतक के शव को पीएम के लिए सुपेला अस्पताल में भेजा गया। थाने का घेराव करने के बाद मोहल्ले वाले व परिजन सीधे सुपेला अस्पताल पहुंचे। घटना को लेकर मोहल्ले वालों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। मोहल्ले वालों का कहना है कि मृतक उनके घर का एकलौता कमाने वाला था।

मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने घेरा थाना

हादसे के बाद गुस्साए परिजनों व मोहल्ले वालों ने थाने का घेराव कर दिया। मोहल्ले वालों की मांग है कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया। इसे लेकर काफी देर तक मोहल्ले वाले व परिजन थाने में मौजूद रहे। ट्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने समझाइश दी। मोहल्ले वालों ने कहा कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा नहीं दिया जाएगा तो वे चक्काजाम करेंगे।

कोरबा में एएसआई की बेरहमी से हत्या कमरे में मिली खून से लथपथ लाश

■ रात को गया कमरे में और सुबह मिली लाश जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले एएसआई की हत्या कर दी। गुरुवार की रात को अपने कमरे में सोने गए एएसआई की शुक्रवार की सुबह खून से लथपथ लाश मिली। सूचना मिलते ही पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में मौके पर पहुंचे पुलिस आला अफसर व थाने के स्टाफ ने जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में सामने आया है हमलावर कमरे का दरवाजा तोड़कर अंद घुसे और एएसआई की हत्या कर भाग निकले। एएसआई के शरीर पर चोट के कई निशान पाए गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार कोरबा जिले के बांगो थाने में पोस्टेड एएसआई नरेंद्र परिहार की

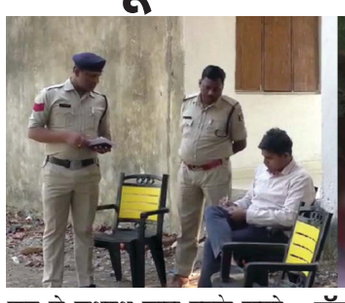

खून से लथपथ लाश उनके कमरे में मिली है। थाने के सामने बनी नई बैरक में के एक कमरे में नरेन्द्र सिंह रहते थे। उनका परिवार एनटीपीसी जमनी पाली में रहता है। बांगो में पोस्टिंग होने के कारण आना जाना करता था। पुलिस के मुताबिक गुरुवार रात को वह अपने कमरे में सोने चला गया और आज सुबह उसकी लाश मिली है। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने पहले दरवाजे को किसी धारदार हथियार से तोड़ा। इसके बाद अंदर घुसकर सो रहे एएसआई नरेंद्र सिंह पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

डॉग स्क्वाड भी खाया धोखा

घटना के बाद मौके पर डागॅ स्क्वाड को लाया गया। डॉग स्क्वाड घटना स्थल से अंबिकापुर रोड तक गया और वहां रुक गया। पुलिस को कुछ युवकों पर इस हत्याकांड का शक है। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात को शराब के नशे में कुछ युवक हुड़दंग कर रहे थे। एएसआई ने इन युवकों को हुड़दंग करने से रोका था। संभावना जताई जा रही है हत्या की वजह भी यही हो। पुलिस ने ऐसे ही कुछ युवकों को हिरासत में भी लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

भिलाई। दुर्ग कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा ने शुक्रवार को सुपेला फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी से चर्चा की और फ्लाईओवर का बचा काम जल्द पूरा करने कहा ताकि इससे आवागमन शुरू किया जा सके।

पूर्व मुख्यमंत्री की कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री की कार की ठोकर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा मध्यप्रदेश के राजगढ़ में हुआ जहां पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की कार से एक बाइक सवार को टक्कर लग गई। इससे युवक के सिर में चोट आई है। घटना के बाद दिग्विजय सिंह अपनी कार से युवक को लेकर अस्पताल पहुंचे और भर्ती कराया। जीरापुर में प्राथमिक उपचार के बाद युवक को भोपाल रेफर कर दिया गया है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि हादसा अचानक कार के सामने आ जाने से हुआ है। उन्होंने कहा कि वे घायल युवक की पूरी व्यवस्था देख रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह राजगढ़ के कोडक्या गांव में

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रकाश के यहां शोक जताने पहुंचे थे। वहां से जीरापुर की ओर जाते समय कार से बाइक सवार को टक्कर लग गई। इससे बाइक सवार 28 वर्षीय बबलू निवासी परोलिया गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद दिग्विजय सिंह उसे अपनी कार से लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां से भोपाल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दिग्विजय सिंह के ड्राइवर पर केस दर्ज कर वाहन को कब्जे में ले लिया है। वाहन पुलिस के कब्जे में होने के बाद दिग्विजय सिंह ब्यावरा विधायक के वाहन से रवाना हुए।

हादसे के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि जीरापुर में यह घटना हुई है। ईश्वर की कृपा से युवक को ज्यादा चोट नहीं लगी, फिर भी हम उसको इलाज के लिए भोपाल शिफ्ट कर रहे हैं। हम लोग धीरे-धीरे जा रहे थे, भीड़ ज्यादा थी, युवक एकदम से गाड़ी के सामने आ गया। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर मनोज गुप्ता ने कहा कि सड़क दुर्घटना में युवक के सिर में चोट आई है। स्थिति सामान्य है, जांच के लिए चिरायु अस्पताल भोपाल रेफर किया गया है।

छत्तीसगढ़ देगा शराबबंदी का नया फार्मूला

श्रीकंचनपथ

विपक्ष एक लंबे अरसे से छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार को शराबबंदी पर घेरती आ रही है। वह कहती रही है कि सरकार ने अपने घोषणापत्र में इसकी बात की थी पर बाद में इस मुद्दे को भुला दिया गया। गौमाता और प्रभु श्रीराम का मुद्दा बेअसर करने के बाद अब भूपेश सरकार ने शराबबंदी की भी पहल प्रारंभ कर दी है। सरकार कुछ ही महीनों में इसका नया फार्मूला पेश कर सकती है। छत्तीसगढ़ के अफसरों का दल शराब बंदी के अलग-अलग मॉडलों की पड़ताल करने के लिए विभिन्न राज्यों में लागू शराब बंदी का अध्ययन करने रवाना हो गया ह। यह दल बिहार और मिजोरम की शराबबंदी का अध्ययन करेगा और फिर इसके आधार पर अपने सुझाव सरकार को देगा। फिलहाल बिहार, मिजोरम, गुजरात और नागालैंड में शराब बंदी है। इसके अलावा केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में भी शराबबंदी लागू है। बिहार में 1 अप्रैल 2016 से शराब बंदी लागू है। इसके बाद से नकली शराब की अवैध बिक्री, उससे लोगों के बीमार होने यहां तक कि मृत्यु को प्राप्त होने जैसी घटनाएं उफान पर हैं। शराब के अवैध कारोबार में संलिप्तता के चलते लाखों लोग जेल में हैं। अदालतों पर लाखों मामलों का बोझ बढ़ गया है। पुलिस से लेकर उत्पाद विभाग तक में भ्रष्टाचार की गंगा बह रही है और शराब का अवैध धंधा पूरे प्रदेश में फलफूल रहा है। पिछले साल जहरीली शराब पीकर 60 लोगों की मौत हुई तो खूब हंगामा हुआ पर लोगों ने जल्द ही उसे भुला दिया। नागालैंड में पूर्ण शराब निषेध अधिनियम, 1989 लागू ह। मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट सरकार ने 28 मई, 2019 को शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद गली-कूचों में नकली शराब की बिक्री होने लगी। पूर्ण शराबबंदी लागू करने के तीन साल बाद मिजोरम ने हाल ही में राज्य भर के बाजारों में स्थानीय रूप से उगाए गए अंगूरों से बनी शराब की बिक्री की अनुमति देने का फैसला किया। 1960 में गुजरात जब महाराष्ट्र से अलग होकर नया प्रदेश बना था, तभी से वहां शराबबंदी लागू है। पर सच्चाई यह है कि वहां शराब का अवैध धंधा खूब फलफूल रहा है। पिछले साल जुलाई में वहां जहरीली शराब पीने के कारण 37 लोगों की जान चली गई। गुजरात में पिछले दो सालों में 215 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी शराब पकड़ी गई है। जाहिर है, शराबबंदी के अब तक के सभी फार्मूले फेल हैं। छत्तीसगढ़ का अध्ययन दल शराब बंदी का अपना फार्मूला पेश करने से पहले इन राज्यों की शराब बंदी का पोल तो खोल ही देगा। वैसे भी छत्तीसगढ़ में आदिवासी अंचलों के लिए अलग कानून बनाने होंगे। राज्य के कुछ गांवों में महिला संगठनों ने शराब बंदी पर प्रभावी अंकुश लगाया है। नित नई और विस्मयकारी योजना बनाने वाला छत्तीसगढ़, शराबबंदी का भी कोई नया फार्मूला लेकर आए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

संपादकीय

बढ़ते तनाव का हल

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद शांत होने का नाम नहीं ले रहा है और अब अमेरिका से आई एक नई रिपोर्ट ने दोनों देशों के बीच बढ़ते जोखिम की ओर इशारा करके मामले की गंभीरता को फिर दर्शाया है। यूएस इंटेलिजेंस कम्युनिटी की रिपोर्ट के अनुसार, विवादित सीमा पर भारत और चीन, दोनों ओर बढ़ती सैन्य मोर्चाबंदी दो परमाणु शक्तियों के बीच सशस्त्र टकराव के जोखिम को बढ़ा रही है। इससे अमेरिकियों और अमेरिका के हित भी खतरे में पड़ सकते हैं व विवाद बढ़ने पर अमेरिका के हस्तक्षेप की भी मांग बढ़ सकती है। उस चीनी दुस्साहस को भुलाया नहीं गया है, जिसके चलते साल 2020 जून में दोनों देशों के जवानों के बीच हिंसक संघर्ष हुआ था। उसके बाद से ही तनाव बना हुआ है और यह स्वाभाविक भी है। दोनों देशों के बीच सैन्य कमांडर स्तर पर 17 बार बातचीत हो चुकी है, लेकिन चीन समाधान के लिए तैयार नहीं है। वह संसाधन, बल और धूर्तता के जोर पर अनावश्यक दबाव बनाए रखना चाहता है। अमेरिकी रिपोर्ट अगर यह खुलासा कर रही है कि बढ़ते गतिरोध की वजह से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर फिर छोटे संघर्ष की स्थिति बनी, तो आश्चर्य की बात नहीं है। एक तरह से यह अमेरिकी रिपोर्ट केवल सावधान करती है, कोई सलाह नहीं देती। वैसे भारत-चीन तनाव पर प्रकाश डालने वाली यह कोई पहली रिपोर्ट नहीं है और इससे हमें ज्यादा प्रभावित नहीं होना चाहिए। ऐसी रिपोर्टों के राजनयिक और आर्थिक मकसद होते हैं। ऐसा कतई नहीं है कि अमेरिका दुनिया में जहां भी संघर्ष की स्थिति बनती हो, वहां कोई शांतिदूत बनकर खड़ा हो जाता हो। अनेक अमेरिकी संस्थाएं दुनिया के कोने-कोने में चल रहे संघर्षों पर शोध-अध्ययन करती रहती हैं। अमेरिका अब भले ही हमारा सहयोगी हो गया हो, पहले की तरह प्रतिकूल न हो, पर हमें वहां से आने वाली रिपोर्टों पर आंख मूंदकर विश्वास करने से बचना चाहिए। भारत ने लंबे समय में जो दर्द झेला है, उसका एहसास अमेरिका को अभी भी पूरा नहीं है। इस बात को भुलाया नहीं जा सकता कि दक्षिण एशिया में अमेरिकी हस्तक्षेप की वजह से ही आतंकवाद की बुनियाद तैयार हुई है। हमें ऐसी रिपोर्टों पर नजर रखनी चाहिए, पर अपने हालात देखकर ही फैसले लेने चाहिए। गलवान के बाद से चीन के साथ भारत का तनाव चिंताजनक भी है। भारत के महत्व को चीन भी समझता है, पर इसे स्वीकार करने में वह हिचकता है। उसे पता है, भारत ने कभी उस पर हमला नहीं किया, उसे यह भी पता है कि उसने भारत की जमीन कब्जा रखी है। उसकी आक्रामक मुद्रा दरअसल बचाव की ही कोशिश है। साथ ही, वह लगातार संवाद जारी रखते हुए खुद को सही ठहराना चाहता है और भारत समाधान की उम्मीद में उचित ही संवाद जारी रखे हुए है। यह समस्या भारत की है और उसे ही मजबूती से समाधान खोजना है। ध्यान रहे, भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए गठित कार्य तंत्र की 26वीं बैठक 22 फरवरी, 2023 को बीजिंग में आयोजित हुई थी, यह जुलाई 2019 के बाद आयोजित ऐसी पहली बैठक थी। चर्चा बेनतीजा रही है, पर अच्छे माहौल में हुई है। दोनों पक्ष अगले दौर (18वें) की कमांडर स्तरीय वार्ता जल्दी करने पर सहमत हुए हैं। चीन अपने रवैये को तार्किक, व्यावहारिक और शालीन बनाए, इसके लिए भारत को हरसंभव कोशिश जारी रखनी चाहिए।

> “ भारत के महत्व को चीन भी समझता है, पर इसे स्वीकार करने में वह हिचकता है। उसे पता है, भारत ने कभी उस पर हमला नहीं किया, उसे यह भी पता है कि उसने भारत की जमीन कब्जा रखी है। उसकी आक्रामक मुद्रा दरअसल बचाव की ही कोशिश है। साथ ही, वह लगातार संवाद जारी रखते हुए खुद को सही ठहराना चाहता है और भारत समाधान की उम्मीद में उचित ही संवाद जारी रखे हुए है। यह समस्या भारत की है और उसे ही मजबूती से समाधान खोजना है।

सोना इसलिए सोणा है

आजादी के 75 सालों में सोने की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। भारत जब आजाद हुआ था, तब 10 ग्राम सोने की कीमत 88.62 रु पये थी और 1964 में इसकी कीमत कम होकर 63.25 रुपये के स्तर पर पहुंच गई थी।

इस तरह, सोने की कीमत 75 सालों में चंद रु पयों से आगे बढ़ते हुए 50 हजार रुपये से भी अधिक के स्तर पर पहुंच गई है। आज 10 ग्राम सोने की कीमत 58 हजार रुपये है। आजादी के समय दिल्ली से मुंबई के हवाई मार्ग के किफायती वर्ग का किराया 140 रुपये था, जो उस समय के 10 ग्राम सोने की कीमत से लगभग दोगुना था। आज इस स्थिति में आमूलचूल बदलाव आ गया है, और हवाई जहाज का किराया 10 ग्राम सोने की कीमत से कई गुणा कम हो गया है।

भारत में सोना इतना ज्यादा सोणा इसलिए है क्योंकि भारतीय महिलाएं सोने के प्रति दीवानी हैं। यह दीवानगी अनादिकाल से है। प्राचीनकाल में तो पुरु ष भी सोने के गहने पहना करते थे। इसके प्रमाण हड़प्पा और मोहनजोदाड़ो काल के अवशेषों में मिले हैं। मई, 2022 में हड़प्पाकालीन राखीगढ़ी में खुदाई में सोने के कड़े, बाली आदि आभूषण मिले थे, जिन्हें पुरुष पहना करते थे। खुदाई में स्त्रियों द्वारा पहनी जाने वाली चूड़ियां, हार, अंगूठी, झुमके आदि भी मिले हैं। स्त्री और पुरु ष द्वारा पहने जाने वाले गहनों के खुदाई में मिलने से साबित होता है कि सोने के गहनों को लेकर भारतीय सदियों से आसक्त रहे हैं। भारतीयों के रहन-सहन, सभ्यता-संस्कृति आदि में सोना इस तरह रचा-बसा है कि इसके बिना उनका जीवन अधूरा है। भारतीय स्त्रियों के लिए सोना उनके लिए सिर्फ गहना नहीं है, बल्कि सुहाग, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। हिंदू धर्म के 16 संस्कारों अर्थात जन्म से मृत्यु तक में सोने का लेन देन किया जाता है। बच्चे के जन्म के समय उसे कमर में काले धागे के साथ सोने की लटकन पहनाई जाती है। यज्ञोपवीत संस्कार के समय भी सोने का गहना बच्चे को पहनाया जाता है, घर में पहली बार प्रवेश करने पर सास बहू को सोने के जेवर सौगात में देती है। मृत्यु के समय भी ब्राहमण को दान में सोना दिया जाता है।

इस तरह, किसी भी शुभ मुहूर्त में, शादी, त्योहार या मृत्यु के समय सोने की खरीददारी की जाती है, जबकि पश्चिमी देशों में ऐसा नहीं होता। वहां लोग शादी में बहुत सारे गहने नहीं पहनते। न ही गिफ्ट में सोने के जेवर या सोना देने का चलन है। अमेरिका और यूरोप में शादी में सिर्फ सोने की रिंग दी जाती है, जो 9 या 12 कैरेट की होती है, जबकि भारत में शादी में 22 या 24 कैरेट का सोना जेवर के रूप में लड़की और लड़के को दिया जाता है। आजकल शादी में सोने का बिस्किट भी सौगात में दिया जाता है। र्वल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की मई, 2020 में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास लगभग 24 हजार टन सोना है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा सोने का खजाना माना जा सकता है। डब्ल्यूजीसी के मुताबिक भारतीय महिलाएं दुनिया के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत हिस्सा आभूषणों के रूप में पहनती हैं, जो वि के शीर्ष 5 देशों के सोने के कुल भंडार से अधिक है। आज अमेरिका के पास 8,000 टन, जर्मनी के पास 3,300 टन, इटली के पास 2,450 टन, फ्रांस के पास 2,400 टन और रूस के पास 1,900 टन सोना है। दक्षिण भारत के राज्यों की देश के कुल गहने की खरीदारी में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जिसमें से अकेले तमिलनाडु की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत है। भारत में फिल्म नायिकाएं, बड़े कारोबारिया कॉरपोरेट घराने या राजे-रजवाड़ों के वारिसों की बहु-बेटियां शादी या किसी भी त्योहार या किसी पार्टी या कार्यक्रम में सोने के जेवरात पहनना पसंद करती हैं। इस वजह से आज शादी-विवाह में अरबों-खरबों रुपये सोने के जेवर खरीदने में खर्च किए जा रहे हैं।

> “ भाजपा की रणनीति स्पष्ट है। ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय राज्य असम से इसने पूर्वोत्तर में पैर जमाना शुरू किया था और अब दूसरे राज्यों में भी यह सफलतापूर्वक बढ़ने लगी है। इसे दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा। त्रिपुरा में ही, पश्चिम बंगाल की तरह स्थानीय नेतृत्व का अभाव रहा है। फिर, जनजाति समुदाय के लोगों, जिनकी तादाद 31 फीसदी है और 69.95 फीसदी आबादी वाले बंगाली हिंदुओं में संबंधों में उतार-चढ़ाव बना रहा है।

पूर्वोत्तर में भाजपा की बढ़ती पकड़ के मायने

जयंत घोषाल, वरिष्ठ पत्रकार

गोवा और सिक्किम के बाद त्रिपुरा देश का तीसरा सबसे छोटा राज्य है। महज 10,491 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाला यह सूबा दो सांसदों को लोकसभा में भेजता है। फिर भी, राजनीतिक रूप से इसका काफी महत्व है। यहां भाजपा को फिर से सत्ता हासिल हुई है, जबकि उसके सामने कांग्रेस और सीपीएम ने संयुक्त होकर मोर्चा खोला था। भाजपा के लिए यह जीत कितनी अहम है, इसका पता इससे भी चलता है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी माणिक साहा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए, वह भी होली के दिन। इसके एक दिन पहले प्रधानमंत्री मेघालय गए थे, जहां उन्होंने कोनराड संगमा के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की थी।

जाहिर है, भाजपा नेतृत्व पूर्वोत्तर को लेकर काफी गंभीर है। इन सीमावर्ती राज्यों को अहमियत देना भाजपा के लिए क्यों जरूरी है, इसका जवाब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिया था, जब उन्होंने पार्टी अध्यक्ष का पद संभाला था। दिल्ली के पुराने पार्टी ऑफिस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जिसमें मैं भी शामिल था, उन्होंने कहा था कि भाजपा उस दिन असलियत में अखिल भारतीय पार्टी कहलाएगी, जब पूर्वोत्तर और दक्षिण के राज्यों में भी यह पहुंच जाएगी। आज दक्षिण भारत में कर्नाटक तक इसकी पैठ है, जबकि पूर्वोत्तर में असम से शुरू हुआ इसका सियासी सफर लगातार बढ़ रहा है। यहां के आठ राज्यों (जिसको सेवन सिस्टर्स और वन ब्रदर स्टेट्स कहते हैं) में जहां-जहां यह सत्ता में है, वहां अपनी सरकार कायम रखने, और जिन सूबों में वह सत्ता से दूर है, वहां जनादेश हासिल करने के लिए जितनी मेहनत कर रही है, उतनी दूसरी कोई पार्टी करती नहीं दिखती।

भाजपा की रणनीति स्पष्ट है। ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय राज्य असम से इसने पूर्वोत्तर में पैर जमाना शुरू किया था और अब दूसरे राज्यों में भी यह सफलतापूर्वक बढ़ने लगी है। इसे दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा। त्रिपुरा में ही, पश्चिम बंगाल की तरह स्थानीय नेतृत्व का अभाव रहा है। फिर, जनजाति समुदाय के लोगों, जिनकी तादाद 31 फीसदी है और 69.95 फीसदी आबादी वाले बंगाली हिंदुओं में संबंधों में उतार-चढ़ाव बना रहा है। मुझे याद है कि 1970 और 1980 के दशक में जब यहां वाम नेता नृपेन चक्रवर्ती की सरकार थी, तब कांग्रेस स्थानीय जनजाति संगठनों को अपने साथ मिलाकर ही वाम सरकार को गिरा सकी और सुधीर रंजन मजूमदार मुख्यमंत्री बन सके। ऐसा इसलिए हो सका, क्योंकि उस वक्त जनजातियों और बंगालियों में काफी ज्यादा तनाव था। यह समस्या भाजपा के सामने भी है, मगर विकास-कार्यों से संभवत: वह इस समस्या से पार पाने में सफल साबित होती दिख रही है। बांग्लादेश के साथ ऊर्जा परियोजना के साथ-साथ रेलवे लाइन पर काम हो रहा है। कोलकाता-अगरतला सड़क भी अच्छी बन गई है। इन सबसे यहां केंद्र सरकार, विशेषकर नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। मगर क्या 2024 के आम चुनाव में भी मोदी पर ही भरोसा किया जाएगा? इसका जवाब फिलहाल मुश्किल है, लेकिन बिखरा विपक्ष मतदाताओं के लिए एक बड़ा मुद्दा जरूर है, जिसके बरक्स वे भाजपा पर भरोसा करना पसंद करते हैं। इस राज्य को दूर से देखने वाले यह सवाल भी करते हैं कि जब यहां बांग्लाभाषियों का दबदबा है, तो तृणमूल कांग्रेस को मनमाफिक सफलता क्यों नहीं मिल पा रही, जबकि 2021 में उसने पश्चिम बंगाल में इसी भाजपा को सियासी जंग में हराया था? मेरा मानना है कि पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा को एक चश्मे से देखना गलत होगा, क्योंकि दोनों राज्यों का मिजाज अलग है। त्रिपुरा में बेशक बंगालियों की संख्या ज्यादा है, लेकिन यहां 19 जनजाति संगठन हैं, जिनका यहां खासा प्रभाव है। नृपेन चक्रवर्ती ही जब मुख्यमंत्री थे, तब दशरथ देब उप-मुख्यमंत्री बनाए गए थे, क्योंकि वह जनजातियों का प्रतिनिधित्व करते थे। ऐसे में, स्थानीय जनजाति नेतृत्व की कमी भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती है, जिसका रणनीतिक हल अगले चुनावों में उसे निकालना होगा।

हालांकि, भाजपा के लिए सुखद यह है कि फिलहाल विपक्ष में कोई एकता नहीं दिख रही। एकजुट विपक्ष भाजपा को किस हद तक चुनौती दे सकता है, इसका एक मापक मेघालय हो सकता है, जहां तृणमूल की सीट बढ़ी है। संभवत: इन सब वजहों से ही भाजपा पूर्वोत्तर के राज्यों में 'हाईकमांड कल्चर' को छोड़कर स्थानीय राजनेताओं पर भरोसा करना पसंद कर रही है। स्थिति यह है कि हिमंत बिस्वा सरमा को सभी आठों पूर्वोत्तर राज्यों का 'वर्चुअल' प्रभारी बना दिया गया है। नतीजतन, यहां के किसी भी राज्य में किसी नेता को कोई परेशानी होती है, तो वह पहले हिमंत से बात करते हैं, जो समस्या का हल तलाशते हैं। निदान न निकलने की सूरत में हिमंत ही दिल्ली जाते हैं। देखा जाए, तो ऐसी रणनीति भाजपा की यहीं नहीं है। पश्चिम बंगाल में भी हार के तुरंत बाद ही वह जोश के साथ सक्रिय हो गई थी, मानो हार को पीछे छोड़कर जीत की ओर कदम बढ़ा लिया है। यह तरीका कांग्रेस अथवा अन्य विपक्षी दलों को भाजपा से सीखना चाहिए।

पूर्वोत्तर में भाजपा की एक ताकत आरएसएस भी है। यहां बरसों से आरएसएस सक्रिय है। यह संगठन शहरी लोगों के साथ-साथ जनजाति समाज के लिए भी बखूबी काम करता है। इसकी कई सहायक इकाइयां हैं, जो कई तरह से लोगों की मदद करती हैं। यहां तक कि यहां का कोई परीक्षार्थी देश के अन्य हिस्सों में जाता है, तो उसके रहने-खाने की व्यवस्था करवाई जाती है। कुछ दिन पहले बेंगलुरु में त्रिपुरा के छात्र-छात्राओं का सम्मेलन बुलाया गया था, जिसका एक अलग प्रभाव यहां के मतदाताओं पर पड़ता है। स्थानीयता को तवज्जो भाजपा अथवा उसकी सहायक इकाइयां अन्य तमाम राजनीतिक अभियानों में भी देती हैं। मसलन, भारत माता अभियान में ही यहां भारत माता की जो छवि दिखती है, वह एक जनजाति महिला की है। सियासी आयोजनों में, खान-पान में भी स्थानीय पहचान को शामिल किया जाता है। इस तरह की कवायदें भाजपा को अन्य पार्टियों से अलग करती है, और यही शेष दलों के लिए बड़ी चुनौती है। देखना होगा कि अगले लोकसभा चुनाव तक विपक्ष भाजपा की इन रणनीतियों का क्या काट निकाल पाता है?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दिलों पर छाप छोड़ गया वह दिलचस्प किरदार कैलेंडर

अभिताभ श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार

जब उन्नीस सौ अस्सी के दशक की शुरुआत में मनोरंजन के अखाड़े में मसाला सिनेमा के बरक्स समानांतर सिनेमा भी अपना दमखम दिखा रहा था, तब सतीश कौशिक ने अपनी अभिनय यात्रा शुरू की थी। चक्र और मंडी जैसी कला फिल्मों की छोटी-छोटी भूमिकाओं के बीच वह शेखर कपूर की चर्चित फिल्म मासूम का हिस्सा बने। अनिल कपूर के साथ वो सात दिन में भी दिखे, गिरीश कर्नाड की फिल्म उत्सव में भी नजर आए। सबसे पहले उन्हें जिस फिल्म में नोटिस किया गया, वह थी कुंदन शाह की क्लासिक कॉमेडी जाने भी दो यारों, जिसमें अशोक के किरदार में उनका नसीरुद्दीन शाह के साथ टेलीफोन पर बातचीत का सीन मजेदार हास्य पैदा करता है। सागर में बटुकलाल की भूमिका में उन्हें खास अंदाज में 'बहुत ही फंटास्टिक' कहते हुए किरदार में जान डाल दी थी। हास्य अभिनेता के तौर पर उनकी गाड़ी ने रफ्तार पकड़ी शेखर कपूर की ही फिल्म मिस्टर इंडिया से। कैलेंडर के किरदार से सतीश कौशिक फिल्मी उद्योग में जम गए।

कितना आसान और रोमांचक लगता है कि वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा और पूना फिल्म इंस्टीट्यूट होते हुए सन् 1979 में मुंबई पहुंचे और कुछ ही वर्ष में मशहूर हो गए। साधारण शक्ल-सूरत के बावजूद लोकप्रिय अभिनेता बनने का उनका सफर आसान बिल्कुल न था। उनकी खास बात यह थी कि वह कभी हौसला नहीं हारे और मेहनत से अपना लक्ष्य हासिल करने में जुटे रहे। सतीश कौशिक दिल्ली के करोलबाग के निम्न मध्यवर्गीय माहौल में पले-बढ़े थे। उनके पिता ताले-घड़ियां बेचते थे। जीवन में बहुत संघर्ष था। पिता का यह संघर्ष बाद में उनके लिए कच्चे माल की तरह काम आया, जब उन्होंने आर्थर मिलर के नाटक डेथ ऑफ अ सेल्समैन के हिंदी रूपांतरण सेल्समैन रामलाल में केंद्रीय चरित्र को रंगमंच पर साकार किया।

सतीश जब मुंबई पहुंचे, तो गुजारे के लिए अपने पिता के एक परिचित की कपड़ा मिल में भी काम किया। अपने संघर्ष के दिनों को वह मजे लेकर याद करते थे। श्याम बेनेगल की मंडी में काम मिलने का किस्सा बहुत रस लेकर बताते थे। बेनेगल ने कहा, सारी भूमिकाओं के लिए अभिनेता चुने जा चुके हैं, फिर भी अपना फोटो छोड़ दें। हाजिर जवाब सतीश कौशिक ने कहा, फोटो तो नहीं है, ये एक्सरे रिपोर्ट देख लीजिए, मैं अंदर से बहुत अच्छा दिखता हूं। ठहाका लगाते हुए श्याम बेनेगल ने उन्हें काम दे दिया। अभिनय प्रतिभा व प्रशिक्षण के साथ-साथ हाजिर जवाबी, बहुआयामी प्रतिभा और लगन की बदौलत सतीश जल्दी ही अभिनेता, लेखक, सहायक निर्देशक, सह-निर्माता के काम भी करने लगे।

हालांकि, पहली निर्देशित फिल्म रूप की रानी चोरों का राजा की नाकामी से वह अवसाद में चले गए थे, पर उन्हें बाद में अच्छे निर्देशक के रूप में भी पहचाना गया। समग्रता में यह मानने में कोई हर्ज नहीं कि बतौर हास्य अभिनेता उनका सिक्का ज्यादा चला। वह बिना लाउड हुए सहज हास्य पैदा करते थे। राम लखन में काशीराम की भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता का फिल्म फेयर पुरस्कार भी मिला था। साजन चले ससुराल के मुत्तूस्वामी के किरदार के जरिये उन्होंने पड़ोसन फिल्म में निभाए गए महमूद के किरदार को श्रद्धांजलि दी थी। इस फिल्म के लिए भी उन्हें सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता का फिल्म फेयर मिला था। दीवाना मस्ताना में उनका पप्पू पेजर का किरदार कैलेंडर की भूमिका की ही तरह बहुत लोकप्रिय हुआ। डेढ़ सौ से ज्यादा फिल्मों में अभिनय व 19 फिल्मों में निर्देशन के अलावा वह ओटीटी मंचों पर खूब सक्रिय थे। कंगना रनौत की आने वाली इमरजेंसी में वह बाबू जगजीवन राम की भूमिका में दिखेंगे।

सिनेमा दुनिया ने एक बेहतर इंसान खो दिया है। अभिनेत्री नीना गुप्ता ने अपनी आत्मकथा सच कहूं तो में उनके बड़प्पन का जिक्र किया है। जिन दिनों नीना गुप्ता क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स से अंतरंगता के चलते गर्भवती हो गई थीं, तब सतीश कौशिक ने बदनामी से बचाने के लिए उनकी अजन्मी संतान को अपना नाम देने की पेशकश की थी। वह ऐसे मस्तमौला इंसान थे कि उन्हें और उनके काम को लोग बार-बार देखना चाहते थे, पर मृत्यु के अदृश्य हाथों ने अचानक बड़ी क्रूरता से 'कैलेंडर' को सिने प्रेमियों के सामने से हटा दिया।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बड़ी लकीर खींचने की हो राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

महाभारत में एक प्रसंग आता है। पांडव वनवास भोग रहे थे और तभी गंधर्वों ने धृतराष्ट्र-पुत्र दुर्योधन को बंदी बना लिया। तब युधिष्ठिर ने अपने छोटे भाई अर्जुन से कहा था कि वह दुर्योधन की सहायता के लिए जाये। अर्जुन को कुछ अटपटा लगा था आखिर कौरवों की मदद क्यों की जाये! तब युधिष्ठिर कहते हैं, 'आज भले ही हम आपस में झगड़ रहे हैं और पांच और सौ हैं, पर बाहर वालों के लिए हम एक सौ पांच हैं!

आज इस प्रसंग की याद दिला कर यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को देश के बाहर भारत सरकार की आलोचना नहीं करनी चाहिए। असल में पिछले दिनों राहुल गांधी को इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया गया था जहां उन्होंने भारत की वर्तमान स्थिति के बारे में भाषण दिया था। फिर ब्रिटिश संसद में भी उन्हें बुलाया गया और वहां भी उन्होंने कुल मिलाकर वही सब दुहराया जो कैंब्रिज विश्वविद्यालय में कहा था। 'वही सब' अर्थात भारत में जनतंत्र के लिए उत्पन्न 'खतरों' की गाथा। देखा जाये तो इस गाथा में ऐसा कुछ नया नहीं था जो राहुल गांधी ने देश की संसद में, और देश की सड़कों पर नहीं कहा है। अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भी राहुल कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक इस बात को दुहराते रहे हैं कि देश की सरकार जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों को अंगूठा दिखा रही है, विपक्ष को अपनी बात कहने का मौका नहीं दिया जा रहा, देश की स्वायत्त संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है आदि। यही सब उन्होंने ब्रिटेन-यात्रा के दौरान भी कहा है। फिर इस पर आपत्ति क्यों?

भारतीय जनता पार्टी की सरकार और पार्टी, दोनों को आपत्ति यह है कि विदेश में जाकर इस तरह की आलोचना देशहित में नहीं है! इसके जवाब में कांग्रेस पार्टी की ओर से दो बातें कही गयी हैं- एक तो यह कि सरकार देश नहीं होती, सरकार की आलोचना देश की बुराई करना नहीं होती और दूसरी यह कि यदि ऐसा करना अपराध है तो हमारे प्रधानमंत्री स्वयं अमेरिका, जर्मनी जैसे देशों में जाकर पिछली सरकारों और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बारे में प्रतिकूल भी कहते रहे हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री पिछले आठ-दस साल में हर मंच पर यह कहते रहे हैं कि 75 साल में देश में कोई विकास नहीं हुआ, देश का असली विकास वर्ष 2014 से ही शुरू हुआ है।

यह सच है कि राहुल गांधी ने देश के बाहर जाकर देश की सरकार के काम की, काम के तरीकों की, आलोचना की है, लेकिन सच यह भी है कि ऐसी ही बातें पिछली सरकारों के बारे में प्रधानमंत्री मोदी भी कहते रहे हैं। यदि कुछ गलत कहा गया है, तो ऐसा दोनों ने किया है।

पर सच तो यह है कि यह अपराध नहीं है -खासकर इक्कीसवीं सदी में जबकि दुनिया इतनी छोटी हो गयी है कि देशों के बीच दीवारों का कोई मतलब नहीं रह गया है। ये दीवारें इतनी पतली हैं कि कमरों के भीतर बैठकर कुछ कहने और कमरों के बाहर उसी बात को दुहराने में कोई अंतर नहीं है।

बहरहाल, कैंब्रिज विश्वविद्यालय में, और ब्रिटेन की संसद में भी राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है, उसे ग़लत न मानते हुए भी इतना तो कहा जा सकता है कि इस मौके पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से कुछ बेहतर कर सकते थे। उदाहरण के लिए यह मौका था जब वे देश की वर्तमान सरकार की रीति-नीति की खामियों को सामने लाने के साथ-साथ अपनी पार्टी कांग्रेस की ओर से एक वैकल्पिक व्यवस्था सामने रखते। बताते कि उनकी पार्टी यदि फिर से सत्ता में आती है तो देश की बेहतरी के लिए किन नीतियों के अनुसार काम करेंगे। राजनीतिक दलों का दायित्व बनता है कि वे विरोधी की रीति-नीति की आलोचना करें, उसकी कमियां उजागर करें। पर जनतांत्रिक मूल्यों का तकाज़ा है कि आलोचना के साथ-साथ विकल्प भी सुझाए जायें, मतदाता को बताया जाये कि उसे क्यों 'ठगा' जा रहा है और कैसे उसे नुकसान से बचाया जा सकता है।

राहुल गांधी ने ब्रिटेन में अपने भाषणों में यह सब नहीं कहा। पर जो कहा वह ग़लत नहीं था। भाजपा के कार्यकर्ता भले ही उन्हें राजनीतिक परिपक्वता में कम आंकते रहें और यह कोशिश करते रहें कि मतदाता की दृष्टि में उनकी छवि धूमिल हो, पर आज हकीकत यह है कि प्रधानमंत्री मोदी के बाद लोकप्रियता के पायदान पर राहुल गांधी ही खड़े हैं। सत्तारूढ़ दल की की रीति-नीति चलाने वाले भी इस बात को समझ रहे हैं। इसलिए उनका हर संभव प्रयास रहता है कि वे राहुल गांधी को कमतर दिखायें। वैसे उनका अधिकार है ऐसा करने का, पर प्रतिस्पर्धी को कमतर दिखाने के इस खेल में जनतंत्र के बुनियादी उसूलों को नहीं नकारा जाना चाहिए। एक मज़बूत सरकार जनतंत्र की ज़रूरत है, पर उतना ही ज़रूरी विपक्ष का मज़बूत होना भी है। विडंबना है कि, आज देश में इस शक्ति-संतुलन का अभाव है। राजनीतिक समीकरण भी कुछ ऐसे हैं कि स्थितियां आसानी से बदलती नहीं दिख रहीं। पर जनतंत्र की सफलता का तकाज़ा है कि स्थितियां बदलें। यह काम अपने आप नहीं होगा, करना पड़ेगा इसे। सरकार की कमजोरियां बताने के साथ-साथ देश को यह समझाने की भी आवश्यकता है कि बेहतर व्यवस्था कैसे बनेगी। सिर्फसाल भर बचा है विपक्ष के पास अपने आप को सिद्ध करने के लिए, और इतना ही समय है सत्तारूढ़ पक्ष के पास यह बताने के लिए वह अपना दामन साफ करने के लिए क्या कर रहा है। मतलब यह कि दोनों पक्षों को अपनी सार्थकता सिद्ध करनी है। यह काम दूसरे की आलोचना करने मात्र से नहीं होगा। आवश्यकता दूसरे की लकीर रबर से मिटाने की नहीं है, अपनी लकीर लंबी खींचने की है। जनतांत्रिक व्यवस्था की सफलता की शर्त है यह। लंबी लकीर खींचने के लिए प्रतिस्पर्धी की कमजोरियों पर नहीं, अपनी ताकत पर नज़र रखनी होगी। इस दिशा में कांग्रेस समेत विपक्ष के सभी दलों को तत्काल पहल करनी होगी। भाजपा के लिए भी ज़रूरी है ऐसी कोशिश करना।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

होली का रंगों भरा पर्व समूह की महिलाओं के लिए रहा बहुत खास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस बार होली का रंगों भरा पर्व समूह की महिलाओं के लिए बहुत खास रहा। उनका उल्लास और खुशी दुगुनी हुई है। समूह की महिलाओं ने फूल, पत्तियों, भाजियों से अनोखे प्राकृतिक रंग बनाये।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर महिला समूह ने 1 हजार 524 किलोग्राम हर्बल गुलाल निर्मित किया। जिले में 1 हजार 451 किलो ग्राम हर्बल गुलाल की बिक्री हुई, जिससे समूह की महिलाओं को 4

लाख 14 हजार रूपए का फायदा हुआ। राजनांदगांव जिले में निर्मित बिहान हर्बल गुलाल से मुख्यमंत्री निवास में होली उत्सव मनाया गया। बिहान हर्बल गुलाल से समूह की महिलाओं के जीवन में खुशी के रंग बिखरे हैं। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हैं। बिहान की महिलाओं ने गुलाल से गुलाबी, गेंदे से पीला, पलास से नारंगी, पालक एवं नीम से हरे रंग के बेहतरीन हर्बल गुलाल बनाये, जिनकी मार्केट में खूब डिमांड रही। समूह की महिलाओं ने मंदिर में चढ़ाये गये फूलों से उम्दा रंग बनाये।

स्थानीय बाजार के साथ ही सी-मार्ट के माध्यम से बिहान हर्बल गुलाल की बिक्री हुई। इकोफ्रेंडली होने के कारण बिहान हर्बल गुलाल की मांग बढ़ी। रासायनिक रंगों के दुष्प्रभाव के कारण जनसामान्य ने भी हर्बल गुलाल की खरीदी की। कलेक्टर श्री डोमन सिंह के मार्गदर्शन में हर्बल गुलाल की बिक्री के लिये लगातार कार्य किया गया। जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार के निर्देशन में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम ने बेहतरीन कार्य किया।

हर्बल गुलाल की आकर्षक पैकेजिंग ब्रांडिंग की गई। समूह की महिलाओं ने स्वयं पैकिंग का कार्य भी किया गया। शुद्ध हर्बल गुलाल तैयार कर आकर्षण पैकेजिंग ब्रांडिंग के साथ होली के अवसर पर सभी शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, औद्योगिक संस्थाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विक्रय किया गया। छुरिया विकासखंड की गुलाब एवं माला आजीविका संकुल समूह की महिलाओं ने 875 किलो हर्बल गुलाल किया गया। जिसमें से 1 लाख 63 हजार रूपए के 815 किलो विक्रय किया। इसी तरह डोंगरगढ़ विकासखंड के जय सेवा जय बुढ़ादेव समूह की महिलाओं ने 175 किलोग्राम निर्माण किया गया, जिसमें से सभी का विक्रय कर 36 हजार रूपए प्राप्त किया। राजनांदगांव विकासखंड के स्वरधारा एफपीसी सुरगी समूह द्वारा 450 किलोग्राम निर्मित किया गया था, जिसमें से अब तक 437 किलोग्राम बिक्री कर 2 लाख 5 हजार रूपए प्राप्त किया।

खास खबर

बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करने के लिए नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण का कराया जा रहा आयोजन

जांजगीर-चांपा। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान जांजगीर में ग्रामीण बीपीएल परिवार के बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण उपलब्ध करने के लिए 13 दिवसीय नि:शुल्क आवासीय पोशाक आभूषण उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 मार्च से 25 मार्च तक आयोजित कराया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला हॉस्पिटल के आगे जर्वे रोड जांजगीर में स्थित एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान आवास एवं भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था होगी। जिले के बीपीएल परिवार के सदस्य ही प्रशिक्षण के लिए पात्र होंगे। प्रशिक्षण के लिए आवेदक जांजगीर-चांपा जिले का मूल निवासी, आयु 18 से 45 वर्ष तक, कम से कम पांचवी कक्षा उत्तीर्ण, राशन कार्ड, आधार कार्ड का होना आवश्यक है। गरीब परिवार के लिए ग्राम पंचायत समूह द्वारा अनुमोदित सूची मान्य की जाएगी। आवेदन के साथ पासपोर्ट साईज तीन फोटो व एक टिकिट साइज की फोटो और पहचान पत्र के साथ एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में उपस्थित हो सकते हैं। इच्छुक आवेदक प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु आवश्यक सभी प्रमाण पत्र स्वप्रमाणित कर आवेदन कर सकते है। अपना स्थान सुनिश्चित करने के लिए आवेदन आरसेटी कार्यालय जांजगीर में जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 07817296340 पर संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्टाफनर्स एसोसिएशन के संरक्षक बने कमल वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्टाफनर्स एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजय कमल वर्मा को संरक्षक बनाया है स्वास्थ्य विभाग की नर्सों ने संघ का निर्माण दिवस मनाकर प्रांत स्तरीय बैठक किया। इसमें सभी की सहमति से प्रांतीय, संभागीय जिला एवं ब्लाक के पदाधिकारियों का चयन किया गया। साथ ही लंबित मांगों को सरकार के समक्ष रखने के लिये रणनीति तैयारी गई। कमल वर्मा ने इस नर्सेस संघ का प्रांतीय संरक्षक बनने के लिए सहमति देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की नर्सों ने कोरोना काल में भी लोगों की जान बचाने में अत्यंत जोखिम भरे माहौल में सराहनीय कार्य किया है। इनकी वेतन विसंगति तथा अन्य जायज मांगों के संबंध में निराकरण होना ही चाहिये। मीटिंग के दौरान नर्सों ने अपने कार्यक्षेत्रों पर होने वाली अनेकानेक असुविधाओं और समस्याओं को लेकर अपनी पीड़ा सुनाई।

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर संग अधिकारियो ने मनाई होली

बीजापुर । साप्ताहिक समय-सीमा के बैठक के पश्चात जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समूह की महिलाओं द्वारा बनाएं गए हर्बल गुलाल से कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी, डीएफओ अशोक पटेल, सीईओ जिला पंचायत रवि कुमार साहू, एसडीएम बीजापुर पवन कुमार प्रेमी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सुमन राज सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई और शुभकामनाएं दी जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास केएस मशराम, डिप्टी कलेक्टर मनोज बंजारे, फागेश सिंन्हा, विकास सर्वे, उप संचालक पंचायत गीत कुमार सिन्हा, एसडीएम भैरमगढ़ उत्तम सिंह पंचारी, जिला खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे, जिला विपणन अधिकारी तामेश नागवंशी, सहायक संचालक मत्स्य मंगीलाल बकोदिया, जेआर अरकरा सहित सभी तहसीलों के तहसीलदार उपस्थित थे।

गीदम में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का नामकरण मां दंतेश्वरी के नाम पर होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर में आयोजित फागुन मड़ई में आए देवी-देवताओं के बिदाई समारोह में शामिल हुए। यहां मुख्यमंत्री ने गीदम में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का नामकरण मां दंतेश्वरी के नाम पर करने, गीदम को नए राजस्व अनुभाग का दर्जा देने और शंखनी-डंखनी नदी में पर्यटन के लिए रिवर फ्रंट व्यू पॉइंट का निर्माण करने की घोषणा की।

फागुन मड़ई में आए देवी-देवताओं के बिदाई समारोह में पहली बार शामिल हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यहां ओड़ीसा, तेलंगाना सहित बस्तर के 851 देवी, देवताओं की बिदाई को अदभुत बताया। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति के कई रंग हैं, बस्तर के दशहरा के समान दंतेवाड़ा की फागुन मड़ई भी पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। मां दंतेश्वरी के आंगन में होली खेलने के लिए क्षेत्र के सैकड़ों देवी-देवता यहां आते हैं। हमारे यहां की आदिवासी परंपराओं के पीछे जो भाव, दर्शन और कथाएं हैं, उसे जाने-समझे बिना छत्तीसगढ़ की संस्कृति को नहीं

पहचाना जा सकता। सरकार ने अपनी गौरवशाली और अनूठी परंपराओं और तीज-त्यौहारों को सहेजने का काम किया है। गांव-गांव में स्थित देवगुड़ियों के संरक्षण का काम भी इसी उद्देश्य से शुरू किया है। आदिवासी परंपराओं को आगे बढ़ाने वाले पुजारी, बैगा, गुनिया, मांझी, हाट पहरिया, बजा मोहरिया को राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना में शामिल करते हुए उनके लिए 7 हजार रुपए की वार्षिक सहायता की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार के बजट में कोटवारों, गांव के पटेलों, मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले रसोइयों, स्कूलों के स्वच्छता कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सहायिकाओं, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और होमगार्ड के जवानों के मानदेय में वृद्धि का प्रावधान किया गया है। राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना के जरिये छत्तीसगढ़ में भगवान राम से जुड़ी ऐसी ही स्मृतियों को सहेजा जा रहा है।

राज्य सरकार ने इस साल के बजट में भी छत्तीसगढ़ के तीज त्यौहारों और परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' की घोषणा की है। राज्य के आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए विश्वास, विकास और सुरक्षा की नीति अपनाई है। बस्तर को पहले नक्सली घटनाओं के लिए जाना जाता था, आज बस्तर की पहचान दंतेवाड़ा का डेनेक्स, जगदलपुर का काजू और कॉफी, नारायणपुर की फूल झाड़ू, कोंडागांव का तिखुर और कांकेर के मिलेट्स कारखाने से होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल के बजट में प्रदेश में चार नये मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की गई है, इनमें से एक मेडिकल कॉलेज गीदम में खोला जाएगा। मेडिकल कालेज के स्थापना से अंचल में चिकित्सकों की कमी दूर होगी और यहां के बच्चे अध्ययन कर यहीं अपनी सेवाएं देंगे। इस कार्यक्रम में विभिन्न जगहों से पहुँचे देवी-देवताओं के आशीर्वाद से बस्तर उन्नति की राह पर चलेगा। कार्यक्रम को उद्योग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा, सांसद दीपक बैज, विधायक श्रीमती देवती कर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम मंडावी, विधायक चित्रकोट राजमन बेंजाम, क्रेडा के अध्यक्ष मिथलेश स्वर्णकार, इंद्रावती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री राजीव शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष तूलिका कर्मा, मुख्यमन्त्री सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, कमिश्नर श्याम धावड़े, आईजी सुंदरराज पी., संचालक खनिज विभाग जय प्रकाश मौर्य, कलेक्टर विनीत नंदनवार, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, मंदिर समिति के पुजारी, मांझी चालकी व अन्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों उपस्थित थे।

वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों से मिले कलेक्टर रजत बंसल

बुजुर्गों से मिलकर जाना उनका हालचाल,किए फल वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर रजत बंसल ने आज बलौदाबाजार स्थित श्री वाटिका वृद्धाश्रम में पहुंचकर बुजुर्गों से मुलाकात की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वृद्धजनों से उनके स्वास्थ्य तथा वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने बुजुर्गो का हालचाल का जायजा भी लिया। कलेक्टर श्री बंसल ने वृद्धाश्रम में उपस्थित बुजुर्गों को फल व मिष्ठान वितरित किए। साथ ही वृद्धाश्रम में दी जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

कलेक्टर बंसल ने यहां मौजूद बुजुर्गों के साथ बैठकर उनके सुख-दुख को भी साझा किया। उन्होंने उपस्थित बुजुर्गों से कहा कि उन्हें किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा कि वे अपने आप को बेसहारा न समझें, उनकी देखभाल के लिए जिला प्रशासन हमेशा उपस्थित है। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी होती है तो वे किसी भी अधिकारी को निरूसंकोच बता सकते हैं। कलेक्टर श्री बंसल ने वृद्धाश्रम पहुंचकर स्वच्छता और स्वच्छ

पर्यावरण देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। तुलसी लोक विकास संस्थान छत्तीसगढ़ जिसके द्वारा संचालित श्री वाटिका वृद्धाश्रम जिसके अंतर्गत वृद्धजन अपने जीवन के अनुभवों को लेकर ऐसे संघर्षरत वृद्धजन यहां वृद्धाश्रम में रहकर जीवन का आनंद ले रहे हैं। घर से भी दूर एक घर की कल्पना को कलेक्टर बंसल की मंशानुसार आदर्श बनाया जा रहा है। पेड़-पौधों के प्रति वृद्धजनों का लगाव और सुखी और आनंदपूर्ण जीवन जीने तथा यहां पर पुस्तकालय, स्वास्थ्य परीक्षण इत्यादि व्यवस्था कलेक्टर बंसल के निर्देशन में की गई है। परिसर में वृद्धजनों द्वारा सभी पर्व इत्यादि आनंदपूर्वक मनाए जाते हैं और प्रसन्नता रखते हुए जीवन का आनंद ले रहे हैं। इस दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता के साथ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरिशंकर चौहान, उपसंचालक समाज कल्याण श्री गेडाम उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री बघेल ने तेन्दू से बने आइसक्रीम को चखकर स्वाद की सराहना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। फाल्गुन मंडई कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिला प्रशासन दंतेवाड़ा के नवाचार पहल के तहत तेंदू फल से निर्मित आइसक्रीम का भी स्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने उसके स्वाद की प्रशंसा करते हुए इसे एक सराहनीय पहल बताया। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन, दन्तेवाड़ा के सहयोग से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र दन्तेवाड़ा द्वारा मौसमी तेंदू के फल से आइसक्रीम बनाने का कार्य किया जा रहा है।

तेंदू का पेड़ लघु वनोपज के श्रेणी में आता है। इसके पत्तियों को बीडी बनाने के उपयोग में लाया जाता है, जो कि बस्तर में हरा सोना के नाम से प्रचलित है। यह भारत के पूर्वी हिस्सों एवं मध्य भारत में बहुतायत में पाया जाता है। अभी तक व्यावसायिक रूप से इसके पत्तियों का उपयोग किया जाता रहा है व फल का उपयोग ग्रामीण जन अपने खाने में तथा उसी मौसम में लोकल बाजारों में ही बेच कर आय प्राप्त करते है। ताजा पके फल को सुरक्षित रखने की अवधि बहुत कम होती है।

अगर ताजे फल के गुदा को प्रसंस्करण कर माईनस 20-40 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखते है तो पूरे वर्ष भर तेन्दू फल का स्वाद लिया जा सकता है। जिसके तारतम्य में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा तेंदू फल का प्रसंस्करण कर आइसक्रीम व तेन्दू शेक बनाने संबंधी नवाचार का कार्य प्रारंभ किया गया है। तेन्दू फल में किये गये अनुसंधान के अनुसार तेन्दू फल एक प्रभावी एन्टी आक्सीडेंट, रेशे का अच्छा स्त्रोत, हृदय रोग के लिये लाभदायक तथा मधुमेह को नियंत्रित करने में सहायक है। साथ ही इस फल में पोटेशियम, कैल्शियम, फास्फोरस एवं अन्य खनिज तत्व अच्छी मात्रा में पायी जाती है।

आम जन को राहत देने स्वास्थ्य सुविधाओं में करें विस्तार- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में विगत 10 वर्षो के बाद जीवन दीप समिति की बैठक किरोड़ीमल शासकीय जिला चिकित्सालय में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर सिन्हा ने जनसामान्य के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जीवन दीप समिति की आय-व्यय एवं समिति के माध्यम से मानव संसाधन भर्ती की जानकारी ली।

कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत पदों के विरुद्ध भर्ती नहीं होनी चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा एवं निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा भी उपस्थित रहे।

बैठक में जीवन दीप समिति द्वारा अस्पताल में नालियों के निर्माण-मरम्मत, मुख्य द्वार से ब्लड बैंक तक रोड निर्माण, ब्लड बैंक हेतु फ्रीज क्रय, जिला चिकित्सालय के अंतर्गत संचालित 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु अस्पताल के आयुष्मान भारत के खाते का संचालन,जीवन दीप समिति के अंतर्गत कार्यरत मानव संसाधनों के पदानुरूप मानदेय निर्धारित करने संबंधी, मारूति इको एम्बुलेंस की उपलब्धता, जिला चिकित्सालय अंतर्गत एमसीएच में संचालित एसएनसीयू में कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं लिफ्ट परिचालन हेतु मानव संसाधन की नियुक्ति, जिंदल ओपीडी की पोताई, सीसी टीवी कैमरा ब्लड बैंक व अस्पताल भीतर लगवाने संबंधी, जिला चिकित्सालय के विभिन्न विभागों एवं कार्यक्रम हेतु कम्प्यूटर सिस्टम, लैपटाप क्रय, जिला चिकित्सालय के डायलिसिस विभाग के लिए टेक्नीशियन हेतु मानव संसाधन नियुक्ति जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री सिन्हा ने नाली निर्माण, पोताई, मरम्मत, मूलभूत कार्य एवं सफाई वस्तुओं की खरीदी समिति के माध्यम से करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों की खरीदी, फ्रीज, सीसीटीव्ही कैमरा, कम्प्यूटर, जैसे मांगो पर मांग पत्र बना कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिन्हा ने सीएचएचओ से जिला अस्पताल में पदस्थ स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की जानकारी ली।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

कुलपति विश्वविद्यालयों में बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करें: राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से विभिन्न शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने की सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने राज्य के विभिन्न शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से प्रदेश के विश्वविद्यालयों की गतिविधियों, समस्याओं आदि की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने विश्वविद्यालयों की नैक (एन.ए.ए.सीं.) ग्रेडिंग, विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की संख्या, दर्ज विद्यार्थियों की संख्या आदि की जानकारी ली।

उन्होंने कुलपतियों को विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के हरसंभव उपाय करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो को विभिन्न विश्वविद्यालयों के लम्बित दीक्षांत समारोहों की जानकारी लेकर विश्वविद्यालयों में शीघ्र ही समारोह का आयोजन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह, विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। इसका प्रभाव विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ता है। दीक्षांत समारोह समय पर आयोजित किए जाएं ताकि उनके शिक्षा एवं कैरियर में किसी प्रकार की हानि न हो।

राज्यपाल श्री हरिचंदन ने कहा कि विश्वविद्यालयों की समस्याओं आदि के संबंध में उन्हें राजभवन सचिवालय के माध्यम से प्रतिवेदन प्रेषित किए जाएं ताकि राज्य शासन से समन्वय के जरिए इन समस्याओं का निराकरण किया जा सके। उन्होंने आगामी दीक्षांत समारोहों के संबंध में कार्ययोजना बनाकर राजभवन सचिवालय को प्रेषित करने को कहा।

इस अवसर पर 12 शासकीय विश्वविद्यालयो पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़, स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर, संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा, दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय अंजोरा, डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतर्राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग महात्मागांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, पाटन, शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ के कुलपति एवं 05 निजी विश्वविद्यालय सीवीरमन विश्वविद्याल, बिलासपुर, आईसीएफएआई दुर्ग एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर, ओपीजिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़, केके मोदी विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति और निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. उमेश मिश्रा एवं सदस्यों ने मुलाकात की एवं राज्यपाल हरिचंदन को होली की शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान पं. रविशंकर विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि इसी माह दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है। तत्पश्चात् राज्यपाल हरिचंदन ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति को कृषि अनुसंधान का लाभ किसानों तक पहुंचाने की दिशा में विशेष प्रयास करने को कहा । साथ ही उन्होंने कृषि शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का रूझान बढ़ाने की दिशा में उपाय करने को भी कहा।

राज्य महिला आयोग की राज्यस्तरीय कार्यशाला 12 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक ने 12 मार्च को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में महिला आयोग के सचिव आनंद प्रकाश किस्पोट्टा, अपर श्रमायुक्त एस एल जांगड़े, महिला एवं बाल विकास के संचालक दिव्या मिश्रा, सहायक अपर श्रम आयुक्त अनिल कुमार कुजूर, समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक किरण खरे एवं सहायक संचालक कमल भदौरिया उपस्थित थे। डॉ. किरणमयी नायक ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के तत्वाधान मे एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजन किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यमंत्री करेंगे। इसमें जिसमें छ.ग. राज्य महिला आयोग के संबंध में जानकारी, साइबर क्राईम एवं मानव तस्करी और महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 विषय पर 12 मार्च को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम रायपुर में आयोजित किया जाएगा।

खास खबर...

मुख्यमंत्री ने सावित्री बाई फुले की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज सुधारक और मराठी कवयित्री स्वर्गीय सावित्री बाई फुले की 10 मार्च को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि श्रीमती फुले ने दलितों की सेवा, महिलाओं के सशक्तिकरण और शिक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। सावित्री बाई फुले ने न सिर्फ खुद पढ़ाई की बल्कि दूसरी महिलाओं के लिए भी शिक्षा के दरवाजे खोले और उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती फुले के द्वारा जनचेतना के लिए किये गए कार्य हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

अगोरा ईको टूरिज्म का हेरिटेज वॉक 12 मार्च से

रायपुर (ए)। शहर की विरासत से आम लोगों को परिचित कराने हेरिटेज वॉक की नई श्रृंखला 12 मार्च से शुरू हो रही है। अगोरा ईको टूरिज्म की टीम भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से इस हेरिटेज वॉक का संचालन कर रही है। इसके अंतर्गत 12 मार्च से प्रत्येक रविवार तक पांच हेरिटेज वॉक की श्रृंखला आयोजित होगी, जो सुबह 7 बजे लिली चौक पुरानी बस्ती से प्रारंभ होगी। अगोरा ईको टूरिज्म प्रा.लि. के प्रोग्राम हेड भाग्येश दुबे ने इस संबंध में बताया है कि रायपुर में हेरिटेज वॉक के माध्यम से शहर की ऐतिहासिक विरासत को पहचान देने की अभिनव शुरूआत हो रही है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत से आम लोगों को अवगत कराने प्रारंभिक तौर पर हेरिटेज वॉक की पांच श्रृंखला निर्धारित की गई है। इसके अंतर्गत प्रत्येक रविवार को सुबह 7 बजे लिली चौक पुरानी बस्ती से हेरिटेज वॉक प्रारंभ होगा व इतिहासविदों व संस्कृति के जानकारों की मौजूदगी में जैतुसाव मठ, नागरीदास मंदिर, टूरी हटरी, जगन्नाथ मंदिर सहित ऐतिहासिक महत्व के गौरवशाली विरासत से सभी को अवगत कराया जाएगा। हेरिटेज वॉक में हर आयुवर्ग के लोग शामिल हो सकेंगे।

9 दिवसीय सिद्ध चक्र महामण्डल विधान हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

रायपुर (ए)। दिगम्बर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट मालवीय रोड (बड़ा मंदिर) मंदिर में 27 फरवरी सें शुरूहुए 9 दिवसीय श्री सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान मे मंगलवार को आज अंतिम दिन हवन का कार्यक्रम रखा गया था। दिगम्बर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय जैन(नायक) एवं उपाध्यक्ष श्रेयश जैन (बालू) ने बताया की होली पर्व के पूर्व अष्निका पर्व मे विधान पूजन आदि का विशेष महत्व है। अष्निका पर्व मे किये गए विधान पूजन आदि सें कई गुना पुण्य की प्राप्ति होती है। 27 फरवरी सें 7 मार्च तक किये गए श्रीचक्र महामंडल विधान का उद्देश्य समूचे विश्व मे सुख शांति समृद्धि और आरोग्य बना रहे। इसके लिए विधान का आयोजन किया गया था। प्रत्येक दिवस श्रीजी के शांतिधारा अभिषेक पूजन उपरांत यह विधान किया गया। 7 मार्च को अंतिम दिन हर्षोल्लास के साथ हवन कर विधान समाप्त किया गया। आयोजन मे बड़ी संख्या मे महिलाये एवं मुख्य रूप सें सुरेश मोदी, प्रवीण जैन (मामा), अजित जैन (पारस हैंडलूम), संजय जैन(सतना), रवि जैन (कुम्हारी), सुजीत जैन, दिलीप जैन (कुम्हारी),प्रणीत जैन, विवेक जैन आदि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव से भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों की सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अभिताभ जैन से मंत्रालय महानदी भवन में भारतीय पुलिस सेवा के छत्तीसगढ़ राज्य केडर आबंटित प्रशिक्षु अधिकरियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्य सचिव श्री जैन ने प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को अपने प्रशासनिक अनुभव बताए। इस मौके पर मुख्य सचिव ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से परिचय प्राप्त

किया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को छत्तीसगढ़ में राम-वन-गमन-पथ के तहत विकसित की जा रही पर्यटन साईट्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को अपनी फिजीकल फिटनेस बनाये रखने के लिए खेल गतिविधियों से जुड़े रहने और पब्लिक सम्पर्क बनाये रखने और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने जैसी सलाह भी बातचीत के दौरान दी। भारतीय पुलिस सेवा के जिन प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुख्य सचिव से सौजन्य भेंट की। उनमें भारतीय पुलिस सेवा बेच 2021 के आकाश कुमार शुक्ला, अमन कुमार रमनकुमार झा, रविन्द्र कुमार मीना, रोहित कुमार शाह और उदित पुष्कर और बेच 2020 के चिराग जैन और उमेश प्रसाद गुप्ता शामिल है।

शिक्षित युवाओं के लिए 14 मार्च को प्लेसमेंट कैम्प

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्रए रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 14 मार्च को जिला रोजगार कार्यालय पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर रायपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित है। इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से डोमिनोस पिज्जा एवं कारोहम एजुकेशन प्राईवेट लिमिटेडए रायपुर द्वारा बिजनेस गेस्ट डिलाईट एसोसियेट्स एवं एकाउंटेंट के 430 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 8वींए 10वीं एवं स्नातक, टैली ईआरपी 9 एम.एस ऑफिस के व्यावहारिक ज्ञान सहितद्ध आवेदक भर्ती के लिए पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों को 10 से 25 हजार रूपये प्रतिमाह भुगतान किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर उपस्थित हो सकते है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते है।

छत्तीसगढ़ में बनाया जाएगा देश का सातवां प्लास्टिक पार्क, राज्य सरकार ने दी स्वीकृति

रायपुर (ए)। देश का सातवां प्लास्टिक पार्क छत्तीसगढ़ में बनाया जाएगा। केंद्र से 75 प्रतिशत राशि के आवंटन के बाद अब राज्य सरकार ने बजट में इसकी स्वीकृति दे दी है। राज्य सरकार ने प्लास्टिक पार्क के लिए अधोसंरचना तैयार करने की जिम्मेदारी राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआइडीसी) को दी है।

प्लास्टिक पार्क में 52 अलग-अलग प्लाट काटे जाएंगे, जिसमें 12 से 20 हजार वर्गफीट की जमीन औद्योगिक प्रायोजन के लिए आवंटित होगी। प्लास्टिक पार्क के लिए केंद्र की 75 प्रतिशत वित्तीय सहायता और राज्य की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध है।

छत्तीसगढ़ प्लास्टिक निर्माता संघ के मुताबिक प्लास्टिक पार्क में जमीनों के लिए दो वर्ष पहले से उद्योगपतियों से आवेदन मंगा लिया गया है। इसके बाद पुन: प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इससे पहले केंद्र सरकार के केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठकें हो चुकी है। प्लास्टिक पार्क में नवाचार करने वाले उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

उद्योगपतियों के लिए उरला में 12 से 20 हजार वर्गफीट की जमीन

संघ के अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया कि राज्य सरकार ने प्लास्टिक पार्क के लिए रूचि दिखाई है। इससे उद्योगपतियों को लाभ मिलेगा साथ ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे पहले राजनांदगांव में प्लास्टिक पार्क बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अनुमति दी थी। यह प्रोजेक्ट रद्द कर दिया गया।

राजनांदगांव में प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार ने 100 करोड़ से भी अधिक का बजट तैयार किया था। प्लास्टिक कारोबारी अमित धावना ने बताया कि केंद्र सरकार का सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी इसी क्षेत्र में स्थित है। प्लास्टिक पार्क बनने से प्रदेश में नए उद्योगों को मौका मिलेगा।

2019 में शुरू की गई प्लास्टिक पार्क योजना

केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय के बैनर तले देश के विभिन्न् राज्यों में प्लास्टिक पार्क बनाने की मंजूरी दी गई है। छत्तीसगढ़ में यह सातवां प्लास्टिक पार्क बनेगा। छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, असम, तमिलनाडु, ओडिशा, झारखंड और उत्तराखंड में प्लास्टिक पार्क की योजना है।

इसलिए उरला स्थानांतरित

राजधानी के बिरगांव, सिलतरा में औद्योगिक प्रायोजनों की भूमि की कमी होने के बाद प्लास्टिक पार्क उरला में बनाया जाएगा। इससे पहले राज्य सरकार ने सरोरा में नया प्लास्टिक पार्क बनाने के लिए जमीन अधिग्रहण की सूचना वर्ष-2022 में जारी कर दी थी। राज्य बजट में प्रविधान के बाद प्लास्टिक पार्क के लिए अधोसंरचना तैयार करने के लिए निविदा निकाली जाएगी। सीएसआइडीसी के अधिकारियों के मुताबिक जमीन आवंटन का काम अप्रैल महीने से शुरू कर दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष: छत्तीसगढ़ की महिलाएं विश्व स्तर पर बना रहीं पहचान

रायपुर (ए)। 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' मान्यता है कि जहां नारियों की पूजा की जाती है या जहां नारियों को पूज्यनीय समझा जाता है वहां देवता निवास करते हैं। मान्यताओं से परे हटकर भी देखें तो समाज मे महिलाओं का स्थान और उनका योगदान सराहनीय है। देश और समाज के विकास में जितना योगदान पुरुषों का है, महिलाएं भी बेहतर काम कर रही है। आज महिलाएं घर परिवार की चार दीवारी लांघकर राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। खेल जगत से लेकर मनोरंजन, राजनीति, समाज सेवा लेकर सैन्य व रक्षा के क्षेत्र में महिलाएं बड़ी भूमिका अदा कर रही हैं। महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने और महिलाओं के योगदान को सहारने के लिए हर वर्ष आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। प्रदेश की ऐसी कई महिलाएं है जो ना सिर्फअपना अपितु पूरे छत्तीसगढ़ का नाम विश्व पटल पर अंकित कर हमें गौरान्वित कर रहीं हैं।

छत्तीसगढ़ को इन महिलाओं पर गर्व

■छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की 21 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी आकर्षी कश्यप वर्तमान में विश्व की 42वें नंबर की श्रेष्ट खिलाड़ी है, वहीं भारत में नंबर एक खिलाड़ी रहीं है। इतनी कम उम्र में वे साइना नेहवाल और पीवी सिंधु जैसी भारत की महानतम बैंडमिंटन खिलाड़ियों के टक्कर दे रहीं है। पिछले वर्ष अगस्त महीने में हुए कामनवेल्थ गेम्स में आकर्षी ने सिल्वर मेडल जीतकर पूरे छत्तीसगढ़ गौरान्वित करने का सुनहरा पल महसूस करवाया। अलावा आकर्षी कश्यप ने अंडर 15 सिंगल्स नेशनल चैंपियन, अंडर 17 और 19 सिंगल्स में दो बार नेशनल चैंपियन, खेलो इंडिया में गोल्ड मेडल, एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल और बहरीन इंटरनेशनल चैलेंज में कांस्य पदक अपने नाम किए है।

■नैना सिंह धाकड़ ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट और चौथी ऊंची चोटी माउंट ल्होत्से को 10 दिनों के अंदर चढ़ाई कर तिरंगा फहराया था। बस्तर की धाकड़ बेटी कहीं जाने वाली नैना यह उपलब्धि करने वाली सिर्फछत्तीसगढ़ की ही नहीं भारत की पहली महिला पर्वतारोही है। प्रदेश की पर्वतारोही नैना सिंह धाकड़ को 30 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों तेजनिंग नोर्गे राष्ट्रीय पुरस्कार के तहत लैंड एडवेंचर का पुरस्कार मिला है। माउंट एवरेस्ट और माउंट लहोत्से में 10 दिनों के भीतर सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई की है इस साहसिक कार्य के लिए उन्हें 15 लाख रुपए की राशि, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। नैना सिंह धाकड़ को यह पुरस्कार मिला है।

■प्रियंका बिस्सा न केवल अपने राज्य छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए एक युवा आइकन के रूप में उभरी हैं। स्वरोजगार, विकलांगता सुधार, बाल और महिला शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा नेतृत्व, स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, लैंगिक संवेदनशीलता और लैंगिक समानता के क्षेत्र योगदान देकर पूरे प्रदेश में महिलाओं के लिए कए आर्दश बन गई है। जब वह 6 साल की थीं, तब उन्हें भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा उनकी ड्राइंग के लिए सम्मानित किया गया था। प्रियंका बिस्सा भारत को अपना पहला रक्त परीक्षण कार्ड देने वाली इस देश की पहली युवा बनीं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

चेहरे पर लगाएं संतरे के ये फेस पैक, त्वचा संबंधित समस्याएं होंगी दूर

संतरे में आवश्यक विटामिन और खनिजों के साथ-साथ एंटी-ऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा मौजूद होती है, जो त्वचा की देखभाल करने में काफी मदद कर सकते हैं। अगर आप संतरे के फेस पैक का इस्तेमाल करते हैं, तो ये त्वचा को हाइड्रेट करने और मुलायम बनाने वाले एजेंट के रूप में कार्य करते हैं। आइए, आज हम आपको 5 संतरे के फेस पैक बनाने के तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल त्वचा की समस्याओं से छुटकारा दिलाने में प्रभावी हो सकता है।

संतरे और पपीते का फेस पैक

सबसे पहले 1 कटोरी में आधे संतरे का गूदा और थोड़ा पका पपीता चम्मच से मैश करें और इसे अपनी उंगलियों या ब्रश से चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे 15-20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इस पैक को आप हर 2 दिन में 1 बार लगा सकते हैं। यह फेस पैक काले घेरे को हल्का करने के साथ चेहरे पर चमक ला सकता है।

संतरे और केले का फेस पैक

इसके लिए 1 केले और 1 संतरे के गूदे को मिलाकर को इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर चेहरे को गर्म पानी से धो लें और इसे तौलिए से सुखाकर इस पर मॉइस्चराइजर लगा लें। इस पैक को आप हर 2 दिन में 1 बार लगा सकते हैं। यह फेस पैक चेहरे की सूजन को कम करने और मुंहासों को दूर करने में मदद कर सकता है।

संतरे और नीम का फेस पैक

सबसे पहले एक कटोरी में संतरे के गूदे और नीम के पत्तों का पेस्ट बराबर मात्रा में मिलाएं, फिर इसमें 1 बड़ी चम्मच सोया दूध मिलाकर इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। इसे 15-20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धीरे-धीरे ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। इस पैक को आप हफ्ते में 3-4 बार लगा सकते हैं। यह फेस पैक त्वचा के सीबम उत्पादन को नियंत्रित करके तरोताजा रखने में मदद कर सकता है।

बेसन और संतरे का फेस पैक

इसके लिए 1 कटोरी में 1 बड़ी चम्मच बेसन पाउडर और 2 बड़ी चम्मच संतरे का रस मिलाकर दानेदार पेस्ट बना लें, फिर इसे चेहरे पर लगाएं और एक बार जब यह सूख जाए, तो चेहरे को रुई से पोंछकर साफ कर लें। इस फेस पैक को हफ्ते में 2 बार लगाएं। यह फेस पैक चेहरे के पीएच स्तर का संतुलन बनाए रखते हुए चेहरे को साफ करता है। यह त्वचा की पिगमेंटेशन को भी कम कर सकता है।

ग्रीन टी और संतरे का फेस पैक

सबसे पहले एक कटोरी में ग्रीन टी की पत्तियां और संतरे का गूदा मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाएं, फिर जब फेस पैक सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को आप हर 2 दिन में 1 बार इस्तेमाल कर सकते हैं। यह फेस पैक त्वचा को एक्सफोलिएट करता है और चेहरे से अतिरिक्त तेल को हटाने में भी मदद कर सकता है।

अधिक कंडीशनिंग से बाल हो सकते हैं खराब, ये है इससे बचने का तरीका

शैंपू के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल करना बालों की देखभाल की दिनचर्या का अहम हिस्सा है। हालांकि, बालों को जरूरत से ज्यादा कंडीशन करने से ये शुष्क, बेजान व चिकने हो सकते हैं और इन्हें संवारने में भी दिक्कत हो सकती है। आइए, आज हम आपको बालों को ठीक से कंडीशन करने का तरीका और अधिक कंडीशनिंग के कारण होने वाले किसी भी नुकसान को ठीक करने के लिए कुछ उपयोगी सुझाव बताते हैं।

कंडीशनर का इस्तेमाल करना क्यों जरूरी है?

कंडीशनर का इस्तेमाल मुख्य रूप से बालों की सुरक्षा और इन्हें नमी देने के लिए किया जाता है। यह बालों पर एक परत बनाता है और स्कैल्प को पोषण देने और हाइड्रेट करने में मदद करता है। हालांकि, जब आप अधिक कंडीशनर का इस्तेमाल करने लगते हैं तो इससे बालों में अधिक नमी जुड़ जाती है, जिसके कारण बाल बहुत नरम हो जाते हैं और इनके टूटने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है।

अधिक कंडीशनिंग से जुड़े संकेत

बालों का चिपचिपा दिखना अधिक कंडीशनिंग का सबसे आम संकेत है। दरअसल, जब आप अपने बालों पर जरूरत से ज्यादा कंडीशनर का इस्तेमाल करते हैं तो यह बालों और उसकी जड़ों को तैलीय बना देता है। ऐसे में बाल काफी चिपचिपे दिखने लगते हैं और बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, जरूरत से ज्यादा बालों का चमकना, बालों को संवारने में परेशानी होना और बालों के वॉल्यूम में कमी आना भी अधिक कंडीशनिंग की ओर इशारा करते हैं।

अधिक कंडीशनर से कैसे बचा सकता है?

बालों को अधिक कंडीशनिंग से बचाने के लिए सही मात्रा में कंडीशनर का इस्तेमाल करें और इसे अच्छी तरह से बालों से निकालना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त लगातार कंडीशनिंग से बचने की कोशिश करें और इसे लंबे समय तक अपने बालों पर न रहने दें। बालों से कंडीशनर को ठंडे पानी से साफ करें। रिंस-ऑफ कंडीशनर का इस्तेमाल करने के बाद लीव-इन हेयर कंडीशनर का इस्तेमाल करने से बचें।

अधिक कंडीशनिंग वाले बालों को ठीक करने के तरीके

बालों से अतिरिक्त कंडीशनर को हटाने के लिए अपने बालों को ठीक से शैंपू करना या ड्राई शैंपू का इस्तेमाल करें। वहीं महीने में एक बार अपने बालों को सेब के सिरके और पानी के मिश्रण से धोएं। अधिक कंडीशनिंग बाल कम दिखते हैं। ऐसे में प्रोटीन ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करके बालों की मात्रा वापस आ सकती है और जड़े मजबूत हो सकतीहैं। साथ ही हेयर स्टाइलिंग और लीव-इन हेयर उत्पादों के इस्तेमाल को भी सीमित करें।

पहली बार बिहारी का किरदार निभाना कठिन थाः पूनम राजपूत

'बेगम जान' की अभिनेत्री पूनम राजपूत को अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी शॉर्ट फिल्म 'चार चप्पलें' में लिया गया है, जिसमें मानव कौल, रणदीप झा और संजय गांधी भी हैं। पूनम ने दिग्गज फिल्म निमार्ता के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया और यह भी बताया कि पहली बार बिहारी किरदार निभाना कितना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहाः चार चप्पलें बिहार में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म है। मैं एक 21 वर्षीय नवविवाहित महिला का किरदार निभा रही हूं और मैं रणदीप झा के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हूं। फिल्म की शूटिंग वाराणसी में हुई थी। 'मिजार्पुर 2' की अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने पहले कभी बिहारी किरदार नहीं निभाया और भाषा उनके लिए एक चुनौती थी।

उन्होंने कहा- मैंने अपने अभिनय करियर में कभी बिहारी किरदार नहीं निभाया है, इसलिए मुझे हिमाचल प्रदेश से होने के कारण बोली और लहजे को सीखने की जरूरत थी। मुझे भूमिका निभाने के लिए चुने जाने के 2 दिन बाद शूटिंग शुरू हुई, इसलिए मुझे जल्दी से इसमें शामिल होने की जरूरत थी। मैंने उसके छोटे शहर से आने की प्रामाणिकता को खोए बिना उसे स्वाभाविक और वास्तविक रखने की कोशिश की। साथ ही, वह एक अंतमुर्खी और सरल लड़की है, जो असल जिंदगी में मैं जैसी हूं, उससे बिल्कुल उलट है।

निर्देशक के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, पूनम ने साझा किया: अनुराग सर कामचलाऊ प्रक्रिया को अपनाते हैं, अभिनेताओं को उनके प्रदर्शन पर पूर्ण रचनात्मक नियंत्रण देते हैं। वह अपने अभिनेताओं को सेट पर बहुत सहज महसूस कराते हैं, और वह चाहते हैं कि वे स्क्रीन पर स्वाभाविक और यथार्थवादी दिखें। जब मैंने इस रोल के लिए ऑडिशन दिया तो मुझे भरोसा नहीं था कि सर सच में मुझे कास्ट करेंगे। मुझे यकीन नहीं था कि मैं भूमिका के लिए चुने जाने के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकती हूं, लेकिन मेरी क्षमताओं और कड़ी मेहनत में उनके विश्वास के लिए धन्यवाद।

उन्होंने सेट पर अपना पहला दिन याद किया और बताया कि कैसे वह नर्वस थी। मैं इतने अनुभवी निर्देशक के साथ काम करने को लेकर नर्वस थी। पहले तो मुझे सर से काफी डर लगा लेकिन मेरे को-एक्टर रणदीप झा और मैंने एक ही टेक में पहला शॉट दे दिया। इसने मुझ पर से कुछ दबाव हटा लिया और मुझे खुद पर गर्व महसूस हुआ। साथ ही, शूटिंग शेड्यूल प्रीपोन किया गया था, हम उसके लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं थे लेकिन फिर भी, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और यह अच्छी तरह से हुआ।

कियारा को देख दीवाने हुए फैंस सामने आई खूबसूरत तस्वीर

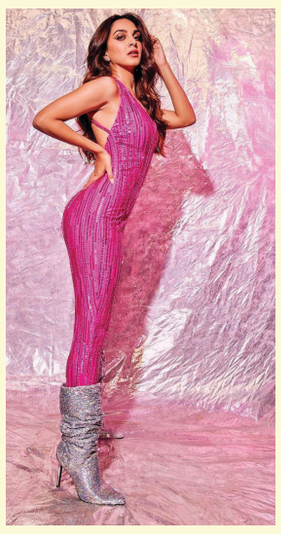

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी सिद्धार्थ मल्होत्रा संग शादी करने के बाद से ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। अभी हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा की पत्नी कियारा का विमेंस प्रीमियर लीग 2023 की ओपनिंग सेरेमनी से एक डांस वीडियो भी इस समय तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे फैंस ने बहुत पसंद किया। जिसके उपरांत अब कियारा की नई तस्वीरें भी वायरल हों लगी है। कियारा आडवाणी की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। कियारा आडवाणी की इन तस्वीरों को उनके फैंस बहुत पसंद कर रहे हैं।

बता दें कि कियारा आडवाणी इन तस्वीरों में पिंक ड्रेस में नजर आ रही है। कियारा आडवाणी की इन तस्वीरों को उनके फैंस बहुत पसंद कर रहे है। इस फोटो में कियारा आडवाणी लाइट मेकअप किए हुए दिखाई दे रही है कियारा आडवाणी की इन तस्वीरों को उनके फैंस खूब साझा कर रहे हैं। इस वायरल हो रही तस्वीर में कियारा आडवाणी अपना फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। कियारा आडवाणी की इस अदा पर फैंस फिदा हो चुके है।

कियारा आडवाणी इस तस्वीर में किलर पोज देती हुई दिखाई दे रही है। कियारा आडवाणी की ये अदा फैंस को बहुत पसंद आ रही हैं। कियारा आडवाणी का ये नया लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगा है। कियारा आडवाणी का ये नया लुक फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींचने लगा है। कियारा आडवाणी इस तस्वीर में खुले बालों में दिखाई दे रही हैं। कियारा आडवाणी की का ये हेयर स्टाइल फैंस को खूब भा रहा है। कियारा आडवाणी इन तस्वीरों में जो ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। कियारा आडवाणी की ये ड्रेस बैकलेस है। कियारा आडवाणी की ड्रेस का ये डिजाइन खूब वायरल होने लगा है।

फिल्म 'भीड़' का ट्रेलर रिलीज, दिखा लॉकडाउन का दर्दनाक मंजर

राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर जल्द ही फिल्म 'भीड़' में नजर आएंगे। इस फिल्म से जुड़ी अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक अनुभव सिन्हा ने किया है, वहीं पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद से इसके ट्रेलर का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था, जो अब आखिरकार खत्म हो गया है। राजकुमार और भूमि दोनों ने ही ट्रेलर रिलीज की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है।

दिखा लॉकडाउन का दर्द

ट्रेलर में दिखाया गया है कि कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन लगने के कारण प्रवासियों को अपने घर पहुंचने में किस तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा? बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर हैं। पुलिस भीड़ पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज और पानी की बौछार कर रही है और राजकुमार भीड़ में अकेले कुछ अलग करने की हिम्मत जुटा रहे हैं। संकट के इस दौर में वह अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते दिख रहे हैं।

ट्रेलर ने लॉकडाउन के दर्द को एक बार फिर ताजा कर दिया है। इसमें प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को बेहद करीब से दिखाया गया है। यह आम लोगों की कहानी है, जिससे आप खुद को जोड़ पाएंगे। राजकुमार का अभिनय भी काबिल-ए-तारीफ है।

सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर की प्रशंसक खूब तारीफ कर रहे हैं। ज्यादातर ने राजकुमार के काम की तारीफ की है। एक यूजर ने लिखा, 'बॉलीवुड को अनदेखा किया जा सकता है, लेकिन राजकुमार को नहीं।' दूसरे ने लिखा, 'फिल्म हिट है बॉस।' एक ने लिखा, 'वाकई उस बुरे दौर की यादें तजा हो गईं।' एक ने लिखा, 'कोरोनाकाल की यह दर्दनाक कहानी सचमुच दिल छू लेने वाली है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कलेक्टोरेट में आयोजित हुआ होली मिलन समारोह, अधिकारी-कर्मचारियों ने खेली होली

कोरबा। कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आज होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कलेक्टोरेट में मौजूद सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने रंगो के त्यौहार होली के अवसर पर एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाया और बधाई दी। इस अवसर पर कलेक्टर संजीव झा ने भी सभी अधिकारी-कर्मचारियों को गौठान में स्वसहायता समूह द्वारा निर्मित प्राकृतिक गुलाल लगाया। उन्होंने सभी को प्राकृतिक रंगो का उपयोग करने की अपील के साथ सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर द्वय विजेंद्र पाटले, प्रदीप साहू, जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय सहित सभी एसडीएम और विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे। कलेक्टर झा ने जिलेवासियों को भी रंगों के पर्व होली की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। होली के अपने शुभकामना संदेश में कलेक्टर झा ने कहा कि होली उत्साह और उमंग का त्यौहार है। यह लोगों के बीच खुशियां बांटने और आपसी भाईचारा, सौहार्द्र को मजबूत बनाने का दिन है। होली के दिन ऊंच-नीच, छोटे-बड़े, जात-पात से परे सभी लोग आपसी स्नेह के रंग में सराबोर नजर आते हैं। उन्होंने सभी लोगों से सौहार्द्रपूर्ण तरीके से सुरक्षित होली मनाने की अपील की।

विकासखंड स्तरीय पशु प्रदर्शनी एवं पशु मेला का आयोजन

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में विकासखंड छुरिया के ग्राम नादिया में विकासखंड स्तरीय पशु प्रदर्शनी एवं पशु मेला का आयोजन किया गया। उप संचालक डॉ. यूएस वास्तव के निर्देशन तथा डॉ. अशोक जैन के प्रयास से पशु मेला का सफल आयोजन किया गया। एक दिवसीय पशु मेला कार्यक्रम में ग्राम नादिया एवं छुरिया विकासखण्ड के पशुपालकों ने हिस्सा लिया। सभी पशुपालक अपने अपने पशुओं को पशु प्रदर्शनी एवं मेला में लेकर आए थे। पशु मेला में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत छुरिया अध्यक्ष किरण वैष्णव, जिला पंचायत सदस्य क्रांति भंडारी, जनपद सदस्य ओमप्रकाश मंडावी एवं देवेन्द्र पन्द्रे, ग्राम सरपंच सुरेश रावटे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में पशुपालन को बढ़ावा देने एवं कृत्रिम गर्भाधान व उसके के बारे में बताया। पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक डॉ. उमाशंकर वास्तव एवं जिला के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. रजनीश अग्रवाल, डॉ. नील कुमार साहू, डॉ. विकास मेश्राम डॉ. देवेन्द्र देवांगन, डॉ. उपासना चंद्राकर साथ ही राजनांदगांव जिले के पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी उत्तम कुमार फन्दीयाल भी उपस्थित थे । पशु मेला पशु प्रदर्शनी कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अशोक जैन, प्रभारी पशु चिकित्सालय गैंदाटोला ने बताया कि पशु मेला पशु प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य पशुपालन को बढ़ावा देना है। ग्रामीणजनों में पशुओं को पालने में रूचि जाग्रत करने व उनमें जागरूकता लाने तथा नवीन तकनीकों का उपयोग कर पशुपालन को बढ़ावा देना है। जिला पशु चिकित्सालय प्रभारी डॉ. रजनीश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न मादा वत्सों के पालन हेतु शासन द्वारा 14 हजार रूपए वत्स पालन योजनांतर्गत प्रदाय दी जाती है।

मंत्री कवासी लखमा ने किया मिलेट कैफे एवं गढ़कलेवा स्वल्पाहार भवन का उद्घाटन

मिलेट्स से बने व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे आमजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। प्रदेश के वाणिज्यक कर (आबकारी), वाणिज्य एवं उद्योग तथा जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा ने जिला कार्यालय जाने वाले मार्ग पर जिला प्रशासन द्वारा बनाये गये मिलेट एवं गढ़कलेवा ''गढ़कलेवा'' स्वल्पाहार भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि जिले की मां दंतेश्वरी स्व सहायता समूह द्वारा किया गया यह कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होने यह भी कहा कि बस्तर में उत्पादित होने वाले रागी, कोदो, कुटकी सहित अन्य मोटे अनाजों का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

इस अवसर पर उन्होने इस महिला स्व सहायता समूह को मिलेट कैफे के संचालन के लिए छत्तीसगढ़ महिला कोश से एक लाख रूपये का ऋण चेक भी प्रदान किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ हस्त शिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष एवं विधायक श्री चंदन कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्यामबत्ती नेताम, उपाध्यक्ष श्री देवनाथ उसेण्डी, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मांझी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री पंडी राम वड्डे, श्री रजनू नेताम, प्रमोद नेलवाल, अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री अजीत वसन्त, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी देवेश कुमार ध्रुव, एसडीएम श्री जितेन्द्र कुर्रे, कृशि महाविद्यालय की डॉ. रत्ना नशीने, अन्य अधिकारी - कर्मचारी एवं नागरिगण उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि उक्त ''गढ़कलेवा'' में आम खान पान के अतिरिक्त मिलेट्स से बने व्यंजन जैसे रागी के अलावा अन्य मोटे अनाजो से निर्मित मुठिया, चीला, फरा, बड़ा, खुरमी, तिल लड्डू, साबूदाना खिचड़ी, रागी दोसा, लड्डू, पकौड़ा, रागी ईडली, कोदो कुटकी उपमा, खिचड़ी, कुकीज आदि खाद्य सामग्री भी उपलब्ध रहेगी और इसे कृशि विज्ञान केन्द्र के स्व सहायता महिला समूहों द्वारा संचालित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के अन्य जिलो में भी मिलेट्स कैफे खोले जा रहे है। इस संबंध में मोटे अनाजों के उत्पादन और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट ईयर के रूप में मनाया जा रहा है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रागी, कोदो, कुटकी जैसे मोटे अनाजों और लघु धान्य फसलों की पैदावार बढ़ाने, इनकी खरीदी की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित करने और इनकी प्रोसेसिंग कर इन्हें शहर के बाजारों तक पहुंचाने के लिए मिशन-मिलेट शुरू किया गया है। राज्य सरकार ने कोदो, कुटकी और रागी का समर्थन मूल्य तय करने के साथ-साथ राजीव गांधी किसान न्याय योजना के दायरे में इन्हें भी शामिल किया है। मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए गौठानों में विकसित किए जा रहे रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में मिलेट्स प्रोसेसिंग प्लांट लगाए जा रहे हैं। प्रदेश के 14 जिलों को इस मिशन में शामिल किया गया है। इसके लिए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च हैदराबाद से एमओयू किया गया है। एमओयू के अंतर्गत इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफमिलेट रिसर्च हैदराबाद छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी एवं रागी की उत्पादकता बढ़ाने, तकनीकी जानकारी, उच्च क्वालिटी के बीज की उपलब्धता और सीड बैंक की स्थापना के लिए सहयोग और मार्गदर्शन दे रहा है। जिले के विभिन्न ग्रामों में जनसंपर्क विभाग द्वारा सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बीते दिनों नारायणपुर विकासखंड के ग्राम आमासरा, पुंगरपाल और ताड़ोपाल में सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी लगाया गया, जहां ग्रामीणों ने इसका अवलोकन कर प्रदेश सरकार के कामकाज तथा उपलब्धियों को करीब से जाना। बाजार में क्रय-विक्रय करने आए ग्रामीणों ने शिविर में लगाए गए आकर्षक छायाचित्रों का अवलोकन किया।

खरसिया और जोबी कॉलेज के स्टूडेन्ट्स को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। औद्योगिक कार्यप्रणाली एवं तकनीकी जानकारी लेने जोबी-बर्रा से शहीद वीर नारायण सिंह और खरसिया से महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड पहुंचे। यहां विद्यार्थियों ने संयंत्र का बाह्य भ्रमण कर इस्पात उत्पादन के बारे में जानकारी हासिल की, वहीं देशभक्ति आधारित फिल्म शेरशाह देखी और म्यूजिकल फाउंटेन का भी आनंद लिया।

400 से भी अधिक की संख्या में पहुंचे विद्यार्थियों ने अपने छह घंटों के शैक्षणिक भ्रमण में रूचि के साथ भाग लिया। उन्हें प्लांट में काम करने के तरीके और महत्व से लेकर जीवन में आगे बढने के लिए अमल में लाई जाने वाली बातों के बारे में बेहद रोचक तरीके से जानकारी दी गई। विदित हो कि इस आयोजन के लिए उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने विशेष रूचि लेते हुए सहमति प्रदान की थी। कॉलेज प्रबंधन द्वारा जेएसपीएल प्रबंधन के सहयोग से संयंत्र का भ्रमण कराने का अवसर देने का अनुरोध किया गया था। जिसे जिंदल प्रबंधन ने सहर्ष स्वीकार किया। रविवार की सुबह तकरीबन 11 बजे से शाम 6 बजे तक दोनों ही कॉलेजों के विद्यार्थी अपने प्रशिक्षकों के साथ जेएसपीएल पहुंचे। उनका स्वागत एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडन्ट संजीव चौहान व टीम ने किया। भोजन उपरान्त परिसर में स्थित ऑडिटोरियम के बड़े पर्दे पर वीडियो दिखा कर सभी आगंतुकों को जेएसपीएल समूह व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। तत्पश्चात् देशभक्ति से ओत-प्रोत कैप्टन विक्रम बत्रा की शहादत पर आधारित शेरशाह मूवी दिखाई गई। जिसे विद्यार्थियों ने खूब पसंद किया। साथ ही जाना कि देश की युवा शक्ति और उनमें छिपी सकारात्मक ऊर्जा किस तरह से देश को आगे ले जा सकती है। इसी कड़ी में महात्मा गांधी कॉलेज के प्राचार्य डॉ.आर. के.तिवारी ने इस शैक्षणिक भ्रमण के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोरोना काल के बाद यह पहला ऐसा बड़ा अवसर रहा, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को मौके पर ले जाकर सफलतापूर्वक जानकारी प्रदान करने का मौका मिला। शहीद वीर नारायण सिंह शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य ने उपने उद्बोधन में जिन्दल प्रबंधन को आभार व्यक्त करते हुए इस सफल शैक्षणिक भ्रमण के लिए छात्र-छात्राओं को बधाई दी। इसी कड़ी में विद्यार्थियों ने जिन्दल परिसर में स्थित म्यूजिकल फाउंटेन का भी आनंद लिया। इस दौरान प्रशिक्षकों में जोबी कॉलेज के सहायक प्रध्यापक सुरेन्द्र पाल दर्शन, वासुदेव पटेल, योगेन्द्र राठिया, अतिथि व्याख्याता सुप्राची पटेल, राहुल राठौर, रितेश राठौर, राम नारायण जांगड़े सहित खरसिया कॉलेज के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वरोजगार स्थापित कर सुमन मंडावी हुई आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। अनुसूचित जाति, सफाई कामगार, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्गों के आर्थिक विकास के लिए व्यक्तिगत योजनाओं का संचालन स्वरोजगार हेतु वित्तीय ऋण सहायता एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण दिलाकर स्वावलंबी बनाने का कार्य राज्य शासन द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य को जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा क्रियान्वित किया जाता है। बेरोजगार युवकों में व्यवसायिक मानसिकता विकसित करने, जागरूक बनाने के उद्देश्य से व्यवसाय स्थापना के पूर्व कौशल विकास के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के ग्राम कपाली बरहेली निवासी सुमन मण्डावी द्वारा इस योजना का लाभ लेकर सरंगपाल रोड पंडरीपानी में कपड़ा दुकान सह बुटिक और फैन्सी स्टोर्स का संचालन किया जा रहा है। सुमन मण्डावी बताती है कि मैं गरीब परिवार से हूँ। मेरी पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकी। मेरी इच्छा थी कि अंत्यावसायी द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनान्तर्गत ऋण लेकर व्यवसाय करना चाहती थी। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति कांकेर द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम के सहयोग से संचालित आदिवासी महिला सशक्तीकरण योजना में प्राप्त लक्ष्य की पूर्ति हेतु स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञप्ति प्रकासित किया गया था।

मैं जिसे पढ़कर अंत्यावसायी कार्यालय से सम्पर्क कर आवेदन की, चयन समिति की बैठक में 02 लाख रूपये का इकाई लागत के लिये मेरा चयन एवं ऋण स्वीकृत किया गया। आवश्यक दस्तावेज जमा करने उपरान्त मैं पसंद अनुसार कपड़ा दुकान सह बुटिक, फैन्सी स्टोर्स सामग्री क्रय किया। ऋण के रूप में सिलाई मशीन, कपड़ा एवं फैन्सी स्टोर्स सामाग्री क्रय कर सलवार सूट, पेटी कोट, ब्लाउज इत्यादि तैयार कर रही हूँ, साथ ही कढ़ाई का कार्य सरंगपाल रोड पंडरीपानी चौंक में किराये से दुकान लेकर संचालित कर रही हूँ तथा प्रतिमाह 13 से 15 हजार रूपये का कमाई हो रही है। परिवार में मेरे माता जी एवं एक बहन है, उनके पालन पोषण के साथ ही साथ प्रतिमाह 3550 रूपये ऋण राशि नियमित रूप से जमा कर रही हूँ। व्यवसाय प्रारंभ करने से पारिवारिक स्थिति में सुधार हो गया है, जिसके लिए मैं राज्य शासन एवं अंत्यावसायी विभाग की बहुत-बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने मेरा सपना साकार किया।

तमिलनाडु के मदुरै में दो दिवसीय मोटा अनाज मेला सह-प्रदर्शनी आयोजित

पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत पहले कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। (पीआईबी)। भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने तमिलनाडु के मदुरै में 6-7 मार्च, 2023 तक दो दिवसीय मोटा अनाज मेला सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया। मेला सह प्रदर्शनी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग तथा तमिलनाडु सरकार के कृषि विपणन और कृषि विभाग के सहयोग से मोटा अनाज महोत्सव श्रृंखला के भाग के रूप में आयोजित किया गया था।

तमिलनाडु विभिन्न मोटे अनाजों की उपज के लिए जाना जाता है। इन अनाजों में पर्ल मिलेट (बाजरा), ज्वार, रागी, लिटिल मिलेट-कुटकी (फॉक्सटैल मिलेट-कंगनी, सावां, कोदो, चेना-पुनर्वा) तथा स्मॉल मिलेट शामिल है। वर्ष 2019-20 में मदुरै जिले में 3,548 टन बाजरा, 22,405 टन ज्वार, 69 टन रागी तथा 130 टन स्मॉल मिलेट की पैदावार हुई। कार्यक्रम के दौरान सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की प्रधानमंत्री औपचारीकरण (पीएमएफएमई) योजना के अंतर्गत पहले कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र मदुरै में तमिलनाडु के वाणिज्य कर तथा पंजीकरण मंत्री पी मूर्ति, तमिलनाडु के सूक्ष्म, लघु एवं मध्य उद्यम मंत्री टी.एम. अनबरासन, तमिलनाडु के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एम.आर.के. पनीरसेल्वम ने किया। कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर ढाल प्रसंस्करण तथा फल एवं सब्जी प्रसंस्करण के लिए स्थापित किया गया है।

आत्मनिर्भर भारत की भावना के साथ जोड़ने तथा उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक कृषि हैकथॉन का आयोजन किया गया। इसमें महत्वाकांक्षी उद्यमियों को नवाचारी कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। यह आयोजन सकारात्मक दृष्टि से सफल रहा और इसके लिए 400 से अधिक आवेदन प्रस्तुत किये गये। चयनित आवेदकों को बूट कैम्प प्रशिक्षण के गुजरना पड़ा, जिसमें से चार आवेदकों को फंडिंग अनुदान, मेंटरशिप और हैंड होल्डिंग सपोर्ट के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। गणमान्य व्यक्तियों ने सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को मोटा अनाज प्रसंस्करण के क्षेत्र में उद्यम को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 17 मोटे अनाज आधारित ब्रांड भी लॉन्च किये। इसके अतिरिक्त तमिलनाडु विश्वविद्यालय द्वारा मोटे अनाजों पर एक पुस्तक भी लॉन्च की गयी। बाद में गणमान्य व्यक्ति मोटे अनाज आधारित उत्पाद प्रदर्शनी देखने गये। 150 से अधिक स्टॉल में मोटे अनाज आधारित मूल्यवर्धित उत्पादद तथा नवाचारी मोटे अनाज आधारित व्यंजन विधि दिखाई गई थी।

दो दिवसीय आयोजन का उद्देश्य सूक्ष्म और खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों को क्रेता-विक्रेता बैठक के दौरान आयोजित बी2बी और बी2सी इंटरेक्शन के माध्यम से अग्रणी उद्योग के लोगों के साथ बातचीत करने के लिए मंच उपलब्ध कराना था।

किसानों के लिए सुनहरा मौका: 13 से 31 मार्च तक किसान क्रेडिट कार्ड बनाने लगेंगे शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देश पर कृषि व संबंधित कार्यों से जुड़े किसानों के व्यापक स्तर पर किसान क्रेडिट कार्ड बनाने शिविर आयोजित होने जा रहे हैं। यह शिविर 13 मार्च से 31 मार्च तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को लगाए जायेंगे। शिविर का आयोजन संबंधित ब्लॉक के जनपद पंचायत कार्यालय में प्रात: 11 बजे से किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिन्हा ने किसानों को अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ लेकर केसीसी बनवाने की अपील की है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों समीक्षा बैठकों में कलेक्टर श्री सिन्हा ने जिले में केसीसी निर्माण की समीक्षा की थी। कम संख्या में केसीसी प्रकरणों की स्वीकृति और निर्माण की धीमी गति को लेकर नाराजगी जताई थी और शिविर लगाकर किसानों के केसीसी बनाने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए थे। उनके निर्देश के अनुरूप केसीसी बनाने शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। नोडल अधिकारी, अपेक्स बैंक से मिली जानकारी अनुसार जिले के 69 सहकारी समितियों में 13 मार्च 2023 से 31 मार्च 2023 के मध्य प्रत्येक विकासखण्ड के जनपद पंचायत में किसान क्रेडिट कार्ड शिविर के आयोजन किये जा रहे हैं। इन तिथियों के बीच प्रति सप्ताह के तीन दिन क्रमश: सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को विकासखण्ड के जनपद कार्यालय के सभागार में शिविर का आयोजन होगा। इस शिविर में पशु चिकित्सा विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग एवं कृषि विभाग के अधिकारी गण तथा फील्ड स्तर के कर्मचारीगण उपस्थित रहेंगे। किसान हितग्राहियों की पात्रता के आधार पर नियमानुसार किसान क्रेडिट कार्ड तैयार किये जाने हेतु सभी प्रकार की दस्तावेजी कार्यवाही शिविर स्थल पर ही की जावेगी। शिविर प्रात: 11 बजे से प्रारम्भ किया जावेगा।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना से किसान कम ब्याज दरों में कृषि व संबंधित कार्यों के लिए बैंको से ऋण ले सकते हैं। जिससे उन्हें अपने खेती-किसानी के कामों के लिए कार्यशील पूंजी मिल जाती है। केसीसी से किसानों को कृषि कार्यों के लिए ब्याजमुक्त अल्पकालीन ऋण मिलता है। पशुपालन, मछली पालन और उद्यानिकी कार्यों के लिए भी अल्पकालीन ऋण दिया है। पशु पालन हेतु 2.00 लाख तक का ऋण 1 प्रतिशत ब्याज दर पर एवं रूपये 2 लाख से अधिक एवं रूपये 3 लाख तक के ऋण 3 प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जाता है। मत्स्य पालन व उद्यानिकी कार्यों हेतु 3 लाख तक दिये जाने वाला ऋण, अल्पकालीन कृषि ऋण के समान ब्याज मुक्त (0 प्रतिशत ब्याज दर) होता है। अपेक्स बैंक के नोडल अधिकारी ने बताया कि शिविर में केसीसी बनवाने के लिए फोटो, आधार कार्ड और बी-1 की कॉपी लगेगी। यदि हितग्राही किसी सहकारी समिति का सदस्य नहीं है तो 110 रुपए शुल्क देय होगा।

Y Fitness

• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

शराब पीने पिता ने नहीं दिए पैसे तो गुस्से में बेटे ने लगा ली फांसी

भिलाई। होली के दिन अलग अलग कारणों ने मौत के कई मामले दर्ज किए गए। कहीं हत्या तो कहीं सड़क दुर्घटना में युवाओं ने अपनी जान गवांई। इसी कड़ी में जामुल में एक युवक ने केवल इस बात को लेकर खुदकुशी कर ली क्योंकि उसने पिता ने उसे होली के दिन शराब पीने के लिए रुपए नहीं दिए। गुस्से में युवक अपने कमरे में गया और गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मामला जामुल थाना अंतर्गत शिवपुरी का है। जामुल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जामुल पुलिस ने से मिली जानकारी के मुताबिक अतुल सोनी पिता बलराम सोनी (29) निवासी शिवपुरी आजाद चौक जामुल ने अपने घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बुधवार को दिनभर उसने होली खेली और शाम को दोस्तों के साथ शराब पीने के लिए उसने अपने पिता से दो हजार रुपए मांगे। पिता ने शराब पीने के लिए रुपए देने से मना कर दिया। इसके बाद पिता पुत्र के बीच काफी बहस हुई। इसके बाद गुस्से में अतुल कमरे में गया और कूलर पर चढ़कर फंखे के हुक से गमछा बांधा और लटक गया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो उसके घरवालों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर में अतुल फांसी पर लटका हुआ था। घटना की सूचना मिलने के बाद जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जामुल पुलिस ने बताया कि मृतक अतुल कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा था। वहीं उसका भाई अभी जेल में है। आत्महत्या का शुरुआती कारण तो यह पता चला है कि उसके पिता ने उसे शराब पीने के लिए दो हजार रुपए नहीं दिए। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

एलआईसी एजेंट को टीकाकरण के रजिस्ट्रेशन का दिया झांसा, एक क्लिक में पार कर दिए लाखों रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र में ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। हरि नगर दुर्ग रजत होम निवासी मुकेश गायकवाड़ के मोबाइल पर अज्ञात कॉलर ने फोन कर टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन करने कहा। मुकेश ने जैसे ही रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू की उसके बाद स्टेप बाई स्टेप कॉलर की बातों में आता गया। इस तरह मुकेश गायकवाड़ के खाते से 2 लाख 66 हजार 997 रुपए ट्रांसफर हो गए। घटना की शिकायत के बाद मोहन नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 420 के तहत अपराध दर्ज किया है।

मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार क्वाटर नंबर 111 वार्ड नंबर 59 रजत होम्स के पास हरि नगर निवासी मुकेश गायकवाड ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी की शिकात दर्ज कराई है। प्रार्थी ने अपनी शिकातय में बताया कि 5 मार्च को उसके भाई संजय गायकवाड ने उससे कहा था कि उसकी बेटी का टिकाकरण करवाना है। संजय ने बताया कि उसे एक नंबर 9337037295 से फोन आया जो अपाइमेंट की रजिस्ट्रेशन के लिए 5 रुपए ऑनलाइन भेजने कहा गया। कॉलर ने संजय गायकवाड के मोबाइल पर एक लिंक https://onlineappointment8.wixsite.com/hospital भेजा गया।

संजय गायकवाड़ ने अपने भाई को कहा कि वह यूपीआई यूज नहीं करते हैं इसलिए वह इस लिंक के माध्यम से 5 रुपए का भुगतान कर दे। इसके बाद मुकेश गायकवाड़ ने अपने भाई के भेजे लिंक पर क्लिक किया। जिसमें पेशेंट का नाम कु. नम्रता गायकवाड अपाइंटमेंट दिनांक 10 मार्च और अमांउट 05 रुपए डाला। मुकेश गायकवाड़ ने पंजाब नेशनल बैंक खाता क्रमांक 0076000102647445, एचडीएफसी बैंक खाता क्रमांक 50100371552829, यूनियन बैंक खाता क्रमांक 520101246843272 से फोन पे आप्शन को स्लेक्ट कर यूपीआई पिन के माध्यम से 5 रुपए सेन्ट कर दिया। रुपए ट्रांसफर नहीं हो रहे थे लगातार फेल हो रहा था।

इस बीच मुकेश गायकवाड़ के मोबाइल पर 7674928116 नंबर से कॉल आया और सामने वाले ने कहा कि आप टिकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन करवा रहे हो क्या। तब मुकेश ने हां में जवाब दिया। इस दौरान मुकेश ने यह भी बताया कि रुपए ट्रांसफर नहीं हो रहा है। इसके बाद कॉलर ने कहा कि एसबीआई के खाते से ट्राई करो। मुकेश ने ऐसा ही किया। शाम को पांच रुपए कटने का मैसेज आ गया। इसके बाद मुकेश ने कॉलर को फोन किया और रुपए कटने की बात बता दी। इसके बाद कॉलर ने मुकेश के वाट्सएप नंबर पर base.apk नाम से एक फाईल भेजी जिसे उसने डाउनलोड कर लिया।

इसके बाद मुकेश के मोबाइल पर 8 अंक का एक मैसेज आया जिसमें से 4 अंक को base.apk कस्टमर स्पोर्ट में डालने बोला गया। मुकेश गायकवाड ने ऐसा किया। उसके थोडी देर बाद मोबाइल नंबर 7674928116 से कॉल आया और कॉलर ने कहा कि आपका रजिस्ट्रेशन हो गया है। अस्पताल का पता मैसेज करने की बात कहकर फोन काट दिया गया। यहां तक ठीक था लेकिन इसके बाद दूसरे दिन 6 मार्च को मुकेश गायकवाड के खाता क्रमांक 10563819413 शाखा गंजपारा दुर्ग से 99,499 रुपए तथा पंजाब नेशनल बैंक खाता क्रमांक 0076000102647445 से 99999 कटने का मैसेज आया। इसके कुछ देर बाद यूनियन बैंक खाता क्रमांक 520101246843272 से 67499 रूपए कटने का मैसेज आया। इस तरह तीन खातों से कुल 2,66,997 कट गए। इसके बाद मुकेश गायकवाड को ठगी का अंदेशा हुआ और उसने मोहन नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

दुर्ग के रेडिमेड कपड़ा व्यापारी से ऑनलाइन ठगी

21 सौ रुपए कैशबैक का दिया लालच और खाते से उड़ा दिए 3 लाख से ज्यादा

दुर्ग। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक रेडिमेड कपड़ों का व्यापारी ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गया। व्यापारी के पास अज्ञात नंबर से कॉल आया और उसने 21 सौ रुपए कैशबैक का लालच दिया। व्यापारी कॉलर की बातों में आ गया और उसके बताए अनुसार प्रोमो कोड से यूपीआई ट्रांजेक्शन को एक्सेप्ट कर लिया। इस तरह व्यापारी के खाते से दो सप्ताह के भीतर 3 लाख 63 हजार 770 रुपए निकाल लिए गए। शिकायत के बाद दुर्ग कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर मामले जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग कपडा मार्केट में नेहा सूट कलेक्शन के संचालक संजय कुमार जैन (45) ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 10 फरवरी उनके मोबाइल पर 8638288678 नंबर फोन आया। कॉलर ने संजय जैन को बताया कि उनको 2100 रुपए का कैशबैक आया है जिसे आप अपने बैंक खाता में ट्रांसफर कर लो और प्रोमो

कोड नं 12345 बताया तथा यह भी बोला गया कि 12 एमबी की मैसेज भेज रहा हूं इसलिए अपने मोबाइल के सभी मैसेज को डिलीट कर लो।

संजय जैन कॉलर की बातों में आ गया और अपने मोबाइल के सभी मैसेज डिलीट कर दिया। इसके बाद कॉलर ने कहा कि शाम 6.00 बजे तक मैसेज आ जायेगा और 2100 रुपए क्रेडिट हो जाएंगे। इसके बाद कॉलर ने मोबाइल में यूपीआई आइडी खोलने कहा और प्रोमो कोड को इंटर करने कहा। संजय जैन ने कॉलर के बताए अनुसार प्रोमो कोड 12345 को अपने मोबाइल में इंटर कर दिया। इसके बाद पे करने का आप्शन आया तब व्यापारी ने पे आप्शन को दबाया। इसके बाद व्यापारी के आईडीबीआई बैंक खाते से 12345 रुपए पर हो गए। इसके बाद 10 फरवरी से 27 फरवरी के बीच कुल 3,63,770 रुपए इनके खाते से नकाल लिए गए। फिलहाल इस मामले में दुर्ग कोतवाली पुलिस जांच कर रही है।

मृतक तपन सरकार के नाम पर करता था वसूली, होली के दिन इसी विवाद में हुई हत्या

भिलाई। खुर्सीपार में होली के दिन लेनदेन को लेकर शुभम राजपूत नाम के युवक की कटर से गला रेत कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद चंद घंटों में पुलिस ने आरोपी सेवक निषाद को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने पुलिस को चौंकानी वाली बातें बताई। पुलिस के अनुसार आरोपी सेवक का कहना कि मृतक शुभम राजपूत तपन सरकार के नाम पर वसूली करता था। होली के दिन भी वह उससे रुपए मांग रहा था इसी वजह से विवाद हुआ और उसने उसकी हत्या कर दी।

दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने गुरुवार को अपने सरकारी निवास पर पत्रकार वार्ता लेकर इसका खुलासा किया है। एसपी पल्लव ने बताया कि वार्ड 43 खुर्सीपार निवासी शुभम राजपूत की होली के दिन सेवक निषाद ने कटर से गला रेतकर हत्या कर दी।

घटना के बाद लगभग आधे घंटे में ही पुलिस ने आरोपी सेवक निषाद को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अपने घर पर खटिया के नीचे छिपा हुआ था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने पुलिस के सामने चौंकाने वाले खुलासे किए।

एसपी पल्लव के अनुसार आरोपी सेवक निषाद ने बताया कि शुभम राजपूत तपन सरकार के नाम पर वसूली करता था। होली के बाद वह चिकन व मशाला सामान खरीदने गया था। इस बीच शुभम राजपूत पहुंच गया और शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगा। रुपए देने से मना करने पर विवाद करने लगा। इस दौरान शुभम राजपूत का कटर नीचे गिर गया तो सेवक निषाद ने उसी कटर को उठाया और शुभम राजपूत पर वार कर दिया। इससे वह जमीन पर गिर गया।

घटना के बाद सेवक वहां से भाग गया। रास्ते में उसने कटर नाली में फेंक दिया और अपने घर पर छिप गया था। आरोपी ने यह भी बताया कि शुभम राजपूत पहले भी उससे कई बार पैसे ले चुका है, पैसे नहीं देने पर वह मारपीट करता था। आरोपी ने बताया कि उस पर पहले भी शुभम राजपूत कटर से हमला कर चुका है। कहीं इस बार भी कटर से न मार दे इसी डर से उसने वार कर दिया। इधर गुरुवार को पीएम के बाद मृतक शुभम का शव परिजनों को सौंप दिया गया।

शराब के नशे में मदहोश अधेड़ खाट पर सोई मासूम के ऊपर बैठा, दम घुटने से हो गई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में होली के दिन दिल दहलादेने वाली घटना सामने आई। शराब के नशे में मदहोश अधेड़ यहां एक परिवार को होली की बधाई देने गया और इस बीच वह खाट पर सो रही तीन माह की मासूम के ऊपर बैठ गया। मां चिल्लाती रही लेकिन शराबी कुछ समझ नहीं पा रहा था। खाट के पास पहुंचकर जब तक शराबी को हटाया गया तब तक मासूम की मौत हो चुकी थी। एक झटके में होली की खुशियां परिवार के लिए मातम में बदल गई। घटना की

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी अधेड़ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना सरगुजा के सीतापुर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम गिरहुलडीह में जंगलू नगेशिया (50) होली के दिन बुधवार को सुबह से ही शराब पीकर घूम रहा था। गांव में एक दूसरे को बधाई देने का सिलसिला भी चल रहा था। इस बीच जंगलू दोपहर को एक घर में पहुंचा। घर पर महिला अपनी दूधमुंही बच्ची को खाट पर सुलाकर अपने काम में व्यस्त हो गई। इतने में जंगलू नगेशिया होली खेलते हुए आया और खाट में बैठने लगा।

यह देख महिला ने आवाज लगाई कि खाट पर उसकी बच्ची सोई है। लेकिन जंगलू शराब के नशे में इतना मदहोश हो गया कि उसे कुछ समझ नहीं आया और वह खाट पर बैठ गया। इसके बाद महिला ने पड़ोसियों को आवाज दी। पड़ोसियों की मदद से महिला ने जंगलू को खाट से हटाया तो देखा कि बच्ची की सांस नहीं चल रही है। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने जंगलू नगेसिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जब जंगलू को गिरफ्तार कर रही थी तब भी वह पूरी तरह से नशे में था। पुलिस ने आरोपी जंगलू के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया और कोर्ट में पेश करने के बाद जेल दाखिल कर दिया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर एसआई शिशिरकान्त सिंह, एएसआई शिवचरण साहू, आरक्षक अहसान फिरदौशी की सराहनीय भूमिका रही।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

कार्यालय – बालोद वनमंडल बालोद

नीलाम की सूचना

सर्व साधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठागार एवं विभिन्न डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का निम्नांकित वर्णन के अनुसार दिनांक 15/03/2023 को नीलाम व्दारा निर्वतन किया जायेगा ।

नीलाम में रखे जाने वाले अनुमानित मात्रा:–

नीलाम तिथि – 15/03/2023

स्थान – बालोद काष्ठागार डिपो

समय – प्रात: 10:00 बजे

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ			गत् अविक्रित काष्ठ			कुल योग		
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	3.701	0	0	64.870	319	886	68.571	319	886
2	बीजा	4.739	2	12	21.379	12	6	26.118	14	18
3	साजा	19.078	49	38	33.126	0	0	52.204	49	38
4	ह.मु.रव.	5.798	0	1	5.956	10	0	11.754	10	1
5	धावड़ा	0.000	31	16	0.000	0	0	0.000	31	16
6	कर्रा	0.051	93	15	0.000	0	0	0.051	93	15
7	तेन्दू	0.407	0	0	0.000	0	0	0.407	0	0
8	नीलगिरी	0.000	0	0	6.552	12	0	6.552	12	0
9	कहुआ	5.920	6	3	0.000	0	0	5.920	6	3
10	कसही	0.110	0	0	0.596	0	0	0.706	0	0
11	अन्य	4.567	261	18	20.371	0	0	24.938	261	18
	योग :–	**44.371**	**442**	**103**	**152.850**	**353**	**892**	**197.221**	**795**	**995**
12	जलाऊ चट्टा	24 चट्टा			25 चट्टा			49 चट्टा		
13	औद्योगिक बांस	-			7223 बंडल = 80.807 नो.टन			7223 बंडल = 80.807 नो.टन		
14	व्यापारिक बांस	-			17956 नग = 37.375 नो.टन			17956 नग = 37.375 नो.टन		
	बालोद परिक्षेत्र (निस्तार/बसोड़ डिपो करहीभदर)									
15	कहुआ	0.000	0	0	1.161	0	0	1.161	0	0
	डौण्डी परिक्षेत्र (निस्तार/बसोड़ डिपो डौण्डी)									
16	औद्योगिक बांस	-			294 बंडल = 3.690 नो.टन			294 बंडल = 3.690 नो.टन		
17	व्यापारिक बांस	-			2270 नग = 4.350 नो.टन			2270 नग = 4.350 नो.टन		

टीप :– (1) व्यापारी अपना पूर्ण पता एवं फोन नंबर/टिन नंबर/मोबाईल नंबर ई.एम.डी. अधिकारी के पास अवश्य अंकित करावें पंजीयन प्रमाण पत्र एवं आयकर हेतु पेन नंबर एवं जी.एस.टी. की छायाप्रति साथ में प्रस्तुत करें।

(2) किसी भी व्यक्ति को नीलाम में बोली लगाने के पूर्व नीलाम की शर्तो का पालन करने के करार के प्रतीक स्वरूप विक्रय की सूचना पर हस्ताक्षर करना होगा तथा प्रत्येक लॉट के संबंध में बोली लगाने के पूर्व जिस सीमा तक बोली लगाना चाहता है, उसके 10% के बराबर राशि या 1000/– इनमें से जो अधिक हो, की बयाने की राशि चेक के माध्यम से जमा करना होगा।

वनमंडलाधिकारी
बालोद वन मंडल बालोद (छ.ग.)

जी-99134-5

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

रंगोत्सव में जमकर थिरके विधायक,महापौर,आयुक्त, सभापति एवं नेता प्रतिपक्ष, रंग में दिखे सराबोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम में अधिकारियों कर्मचारियों ने होली मिलन समारोह मनाया। जिसमें विधायक अरुण वोरा, मेयर धीरज बाकलीवाल,कमिश्नर लोकेश चन्द्राकर, सभापति राजेश यादव,नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा, समेत पार्षद,एल्डरमेन व अधिकारियों और कर्मचारियों ने जमकर होली खेली,निगम रंगों से सराबोर रहा।

समारोह में जहां अबीर गुलाल उड़े, वहीं चुटकले और कविताओं ने भी समां बांध दिया।

विधायक अरुण वोरा एवं मेयर धीरज बाकलीवाल ने सभी पार्षदों,नागरिकों और अधिकारियों-कर्मचारियों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। वहीं होली पर्व को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। विधायक एवं मेयर बोले, होली का रंग सद्भाव और स्नेह का संदेश देती है।होली के रंगों के साथ नाचे पार्षद,अधिकारी व कर्मचारी, उन्होंने सभी शहरवासियों को होली पर्व को शांति और सद्भाव के साथ मनाने की अपील की। निगमायुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि होली के रंगों ने नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों में एक ऐसी उमंग और उत्साह का संचार है,आयुक्त ने सभी के साथ होली खेली और शुभकामनाएं प्रेषित की।कार्यक्रम में लोगो ने जमकर धमाल मचाया,मौज मस्ती करते हुए गुलाल उड़ाया।सभी ने पकोड़ी और लजीज व्यंजनों का आनंद लिया।होली मिलन समारोह में होली के पर्व का खुमार लोगो के सिर चढ़कर बोल रहा है।इस अवसर पर अब्दुल गनी,संजय कोहले,दीपक साहू,मनदीप सिंह भाटिया,भोला महोविया,मदन जैन, राजकुमार नारायण,पार्षद श्रद्धा सोनी,बिजेंद्र भारद्वाज,मनीष साहू,निर्मला साहू,भास्कर कुंडले,ज्ञानदास बंजारे, काशीराम कोसरे,प्रकाश जोशी,कमल देवांगन,संतीश देवांगन,चंद्रशेखर चन्द्राकर,काशीराम कोसरे,मनीष साहू,अजय गुप्ता,कृष्णा देवांगन,हरीश साहू, पूर्व पार्षद प्रकाश गीते,कुलेश्वर साहू,कन्या ढीमर, समेत अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद थे।

खास - खबर

बजट संतुलित व भरोसे का - हीरा लाल वर्मा

दुर्ग। दुर्ग जिला अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हीरालाल वर्मा ने बजट को संतुलित एवं सर्वहारा वर्ग के लिए कल्याणकारी बताया। उन्होंने बताया की विकासखंड धमधा के राजपुर में शासकीय बीज प्रबंधन क्षेत्र की स्थापना हेतु नवीन मद में 1.57 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है जो कि क्षेत्रवासियों के लिए हर्ष का विषय है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में भूपेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023 24 का बजट प्रस्तुत किया जिस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री वर्मा ने मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इसे संतुलित व सर्वहारा वर्ग के लिए बताया।

सब्जी बाजारों में बेजा कब्जा के खिलाफ होगी कार्रवाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम! गुरुवार को एक साथ शहर के कई सब्जी मार्केट में निगम की टीम पहुंची। इस दौरान टीम ने वहां लगे लोहे के स्टैंड, टेबल व अन्य सामानों को चबूतरे से बाहर निकालकर सब्जी ना बेचने की समझाईस दी गई। चबूतरा के बाहर अवैध रूप से लोहे का जाली,टेबल व अन्य सामान लगाकर व्यवसाय किया जा रहा है।जिसे हटाने की हिदायत दी गयी । निदेश का पालन नही करने की स्थिति में उक्त सामानों की जब्ती की कार्यवाही एवम जुर्माने की कायवाही की जावेगी। निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर बाजार अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में बाजार विभाग टीम थानसिंह यादव, ईश्वर वर्मा,भुवनदास साहू,शशिकांत यादव ने इंदिरा मार्केट, महिला समृद्धि बाजार, सिकोला भाठा सहित अन्य सब्जी बाजार पहुंचे। निगम की टीम ने मार्केट में सब्जी पसरा लगाने वालों द्वारा अतिक्रमण किया गया है उसे 24 घंटे में हटा लेवे।निगम अधिकारियों का कहना है कि आम लोगों की परेशानियों और लगातार मिल रही शिकायतों के चलते ये कार्रवाई आवश्यक है और आगे भी कार्रवाही निरंतर जारी रहेंगी। कार्रवाई के दौरान सभी सब्जी पसरा वालो को चेतावनी भी दी गई है कि दोबारा अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।कार्रवाई के दौरान इंदिरा मार्केट सब्जी बाजार में सबसे अधिक अतिक्रमण किया गया है। यहां सब्जी विक्रेताओ ने अतिक्रमण करके अपनी दुकान की सीमा के आगे चबूतरा बनाकर उसमें लोहे की जाली व स्टैंड फिक्स करवा दिया है।

राष्ट्र निर्माण में बीईएमएल मशीनों का योगदान विषय पर निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण सम्पन्न

भिलाई। विगत दिनों बी.ई.एम.एल लिमिटेड, भिलाई द्वारा आयोजित नराकास स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन बीएसपी विस्तार कार्यालय के सभागार में किया गया। निबंध प्रतियोगिता का विषय था राष्ट्र निर्माण में बी.ई.एम.एल मशीनों का योगदान। यह कार्यक्रम ओंकार नाथ, जिला प्रबंधक बी.ई.एम.एल. लिमिटेड, भिलाई, की अगवाई में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएँ) आर के श्रीवास्तव उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सौमिक डे, उप महाप्रबंधक भिलाई इस्पात संयंत्र एवं सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग, उपस्थित थे। आयोजन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक आर के श्रीवास्तव ने विषय को अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा कि बी.ई.एम.एल लिमिटेड ने अपनी स्थापना के आरंभिक दिनों से लेकर आज पर्यंत अनवरत रूप से राष्ट्र निर्माण में अपना श्रेष्ठतम योगदान दिया है, जो रक्षा व एरोस्पेस सम्बंधित उपकरणों, खनन व निर्माण सम्बंधित उपकरणों, रेल व मेट्रो उपकरणों सम्बंधित है। इस विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक कार्मिक को गर्व की अनुभूति देता है तथा राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत कर राष्ट्र के प्रति अपना श्रेष्ठतम योगदान अर्पित करने को प्रेरित करता है।

होली के रंग में रंगे बीएसएफ के जवान

रिसाली से लेकर धुर नक्सल क्षेत्र में जवानों ने खेली होली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। होली के मौके पर सीमी सुरक्षा बल के सीमांत मुख्यालय रिसाली व धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में जवानों ने होली का त्योहार मनाया। इस मौके पर रिसाली सेक्टर स्थित महानिरीक्षक सीमान्त मुख्यालय एवं जिला कांकेर के नक्सल प्रभावित इलाके में तैनात सीमा सुरक्षा बल के सभी अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व जवानों ने हर साल की तरह इस बार भी एक दूसरे को रंग लगाकर होली के त्योहार को बड़े हर्षोल्लास से मनाया।

ज्ञात हो कि जहां एक तरफचौकी पर परिवार से दूर जवान होली के त्योहार को मना रहे थे वहीं दूसरी तरफज्यादातर जवान अपने चौकी से बाहर जाकर मुस्तैदी से अपनी डयूटी निभा रहे थे, ताकि आम जनता अपने घरों मे होली का त्योहार अपने परिवार के साथ मना सकें।

इसी शांति व्यवस्था के बीच जवानों ने भी होली खेलकर आम लोगों के साथ खुशियां मनाई। इस अवसर पर भिलाई स्थित सीमा सुरक्षा बल सीमान्त मुख्यालय (विशेष संक्रिया) छत्तीसगढ़ के महानिरीक्षक इन्दराज सिंह ने सभी कार्मिको, उनके परिवार के सदस्यों के साथ प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लोगों को होली की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि अलग अलग रंगो के साथ ये त्योहार मनाया जाता है, उसी तरह यह त्योहार समाज के हर वर्ग और हर समुदाय के लोगो को साथ रहने की प्रेरणा देता है ।

10 दिन पहले हुआ था सिजेरियन, शॉक में पहुंची मरीज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आपरेशन से बच्चे को जन्म देने वाली एक 26 वर्षीय महिला को जब मित्तल अस्पताल लाया गया तो वह शॉक की स्थिति में थी. नब्ज लगभग गुम थी और सांस लेने में तकलीफहो रही थी. रक्तचाप भी रिकार्ड करने योग्य नहीं थी. रक्त में क्रिएटिनिन लेवल 15 तक बढ़ा हुआ था. मरीज ने यूरिन पास नहीं किया था. मरीज की स्थिति को देखते हुए तत्काल ट्रीटमेंट शुरू किया गया. दो सप्ताह के इलाज के बाद मरीज सकुशल घर लौट गई।

नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ विजय वच्छानी बताया कि क्रिएटिनिन का इतना हाई लेवल किडनी फेल का संकेत देता है. महिला ने सिजेरियन से एक शिशु को जन्म दिया था. इसके बाद संभवत: वह संक्रमित हो गई जिसका पता लगने में विलम्ब हो गया. महिला की स्थिति बिगड़ती चली गई और जब तक उन्हें अस्पताल लेकर आया गया, हालत काफी नाजुक हो चुकी थी.

मरीज का क्रिएटिनिन लेवल 15 था. महिलाओं में 0.5 से लेकर 1.0 मिलीग्राम क्रिएटिनिन को ही आदर्श माना जाता है. दो सप्ताह से भी अधिक समय की जद्दोजहद के बाद मरीज का क्रिएटिनिन लेवल घटकर सेफ जोन में आ गया. जब मरीज को अस्पताल से छुट्टी दी गई तो उसका क्रेएटिनिन लेवल 0.9 मिलीग्राम था.

डॉ वच्छानी ने बताया कि क्रिएटिनिन का इतना बढ़ना किडनी की खराबी का संकेत है. इस स्थिति में मेडिकल उपचार की तुरंत आपातकालीन चिकित्सा की जरूरत पड़ती है. अगर स्थिति को नियंत्रित ना किया गया, तो मरीज कोमा में जा सकता है. उसके मस्तिष्क में सूजन हो सकती है, यहां तक की उसकी मौत भी हो सकती है।

अवैध प्लाटिंग पर बड़ी कार्रवाई

एसडीएम व राजस्व अमले ने बोरसी, हनोदा रोड, मीनाक्षी नगर में हटाया कब्जा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर में अतिक्रमण पर राजस्व विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। बोरसी, हनोदा रोड और मीनाक्षी नगर में अवैध प्लाटिंग की सूचना मिलते ही आज एसडीएम श्री लक्ष्मण तिवारी के नेतृत्व में राजस्व विभाग व नगर निगम दुर्ग का अमला मौके पर पहुंचा। इन जगहों में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी और फेंसिंग तथा डीपीसी कराई गई थी। इसे तोड़ने की कार्रवाई मौके पर ही की गई।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम लक्ष्मण तिवारी ने बताया कि राजस्व अमले को अतिक्रमण को लेकर हाई अलर्ट पर रखा गया है। फील्ड में बारीक नजर रखने के इन्हें निर्देश दिये गये हैं और अवैध प्लाटिंग की सूचना मिलते ही कार्रवाई के लिए कहा गया है। इस बात की सूचना मिली थी कि कुछ लोगों के द्वारा बोरसी, हनोदा रोड, मीनाक्षी नगर में अवैध प्लाटिंग की जा रही है। सूचना मिलते ही राजस्व विभाग का अमला पहुंचा। यहां पर फेंसिंग कराई जा रही थी और डीपीसी कराया जा रहा था। इसे हटाने की कार्रवाई निगम अमले द्वारा की गई। एसडीएम ने बताया कि अवैध प्लाटिंग के मामलों पर प्रशासन की कड़ी नजर है और ऐसे तत्वों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्री तिवारी ने बताया कि राजस्व अमले से नियमित रूप से अपडेट ली जा रही है और वे लगातार फील्ड में सक्रिय हैं।

एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने पत्रकारों संघ खेली होली, मनाया जश्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। होली के एक दिन बाद दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने दुर्ग-भिलाई के पत्रकारों के साथ होली खेली। सिविल लाइन स्थित बंगले में एसपी ने एक दिन पहले खुर्सीपार क्षेत्र में हुई हत्या का खुलासा किया। मामले के खुलासे के बाद एसपी पल्लव के आवास परिसर में ही होली खेली गई। पत्रकारों के साथ एसपी पल्लव ने भी जमकर होली का जश्न मनाया। इस दौरान दुर्ग पुलिस महकमें के अधिकारी व पुलिस कर्मियों के साथ बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

बता दें होली के दिन शहर की सुरक्षा व्यवस्था में लगे होने के कारण पुलिस कर्मी होली नहीं खेल पाते।

पुलिस कर्मी एक दिन बाद होली खेलते हैं और इसे पुलिस होली का नाम दिया जाता है। दुर्ग जिले में पुलिस होली एक अनोखे अंदाज में मनाई गई। दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने इस होली को यादगार बना दिया। दुर्ग जिले में पहली बाद एसपी ने अपने सरकारी बंगले में पूरी पत्रकार बिरादरी के साथ होली का मजा लिया। रंग गुलाल के साथ होली के मिठाई में एसपी ने पत्रकारों को खिलाई।

सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध विभाग व कार्मिक हुए सम्मानित

सुरक्षा एक मंजिल नहीं बल्कि यह एक यात्रा है जिसका हमें निरन्तर अनुपालन करना है: अनिर्बान दासगुप्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियाँत्रिकी विभाग द्वारा महात्मा गांधी कलामंदिर के सभागार में 7 मार्च, 2023 को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

इस समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के उप निदेषक आषुतोष पाण्डेय, कार्यपालक निदेषक एम एम गद्रे, कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेषक डॉ ए के पंडा, कार्यपालक निदेषक ए के चक्रवर्ती, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ, मुख्य महाप्रबंधक समीर स्वरूप एवं मुख्य महाप्रबंधक जी पी सिंह विषिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निषमन सेवाएँ) जी पी सिंह ने स्वागत उद्बोधन के साथ-साथ संयंत्र में जारी सुरक्षा गतिविधियों का प्रतिवेदन विस्तार से प्रस्तुत करते हुए सुरक्षा के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला और उन्होंने भिलाई बिरादरी से शुन्य नुकसान के लक्ष्य को प्राप्त करने का आव्हान किया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस्पात उद्योग में हर प्रकार का खतरा मौजूद है। हमें इन खतरों को नियंत्रित रखकर कार्य करना चाहिए। खतरों को काबू में रखने के लिए हमें बिहेवियरल सेफ्टी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करना होगा। जिससे सुरक्षा हमारे डीएनए में शामिल हो जाए। हमारा सुरक्षित व्यवहार ही हमें सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करेगा। सुरक्षा केवल कारखाने तक सीमित नही है बल्कि सड़क पर, घर पर हर जगह हमें सुरक्षा का ध्यान रखना है। हमें अपने साथ-साथ अपने ठेका श्रमिक कार्मिकों के सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखना है। सुरक्षा एक मंजिल नहीं बल्कि यह एक निरन्तर यात्रा है। हमें, हर दिन हर पल सुरक्षित रहना है। सुरक्षा एक निरन्तर प्रक्रिया है जिसका हमें निरन्तर अनुपालन करना है। सुरक्षा से उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि के साथ ही लागत में कमी और लोगों की सुरक्षा में वृद्धि संभव हो सकेगी।

उप निदेषक (औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा) आषुतोष पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज भिलाई इस्पात संयंत्र, प्रोडक्षन और क्वालिटी के क्षेत्र में अग्रणी है। उसे सुरक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी बनना होगा। हम सबको मिलकर एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना होगा। इस हेतु हमें व्यवहार आधारित सुरक्षा पर विषेष जोर देना होगा। सुरक्षा के प्रति एक सकारात्मक सोच पैदा करनी होगी। प्रत्येक कारखाने का लक्ष्य जीरो एक्सीडेंट होना चाहिए। यह खुशी की बात है कि भिलाई इस्पात संयंत्र में एक्सीडेंट व इन्सीडेंट की संख्या कम होती जा रही है। बीएसपी द्वारा सेफ्टी वॉरियर्स तथा सेफ्टी सर्कल जैसे सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं। सुरक्षा को हमें प्रत्येक कार्मिकों तक ले जाना है।

12 को रायपुर में कलार महा सम्मेलन: महेश जायसवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलार महासभा छत्तीसगढ़ की ओर से राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय में कलार महासम्मेलन 2023 का आयोजन 12 मार्च रविवार, समय प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक स्थान सांइस कालेज मैदान में आयोजित किया जा रहा है। इस महासम्मेलन में समाज में राजनीतिक जागरूकता लाने के साथ ही सत्ता में भागीदारी पर चर्चा होगी।

कलार महासभा छत्तीसगढ़ के कोषाध्यक्ष महेश जायसवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के उपरान्त छत्तीसगढ़ के सभी समाज में राजनीतिक जागरूकता बढ़ रही है। इसके लिए हमारे समाज के पदाधिकारी व प्रबुद्ध जन लगातार शासन व प्रशासन में प्रभाव बनाने के लिए विभिन्न आयोजनों के माध्यम से प्रयास कर रहे हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ की धरती में प्रदेश की आबादी का 9 प्रतिशत अर्थात् 18 लाख से अधिक की जनसंख्या में सिन्हा, डड़सेना, जायसवाल, सुरजिया, शौण्डिक, जैन, सुन्डी, कोसरे, कलार, हैहय क्षत्रिय कलचुरी एवं अन्य वर्गों के लोग निवास करने वाले हमारे समाज की ओर छत्तीसगढ़ के राजनीतिक दलों का ध्यान अपेक्षाकृत कम है। इसलिए हमारे समाज के पदाधिकारियों ने निर्णय लिया है कि आगामी 2023 के विधानसभा व लोकसभा चुनाव में समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो सके, जिसके लिए शक्ति प्रदर्शन स्वरूप कलार महासम्मेलन 2023 का आयोजन किया जा रहा है।

श्री जायसवाल ने सामाजिक बन्धुओं, माता, बहनों एवं नवयुवक साथियों से अह्वान किया है कि इस सम्मेलन में कोई कसर बाकी न रहे ऐसी तैयारी करने के साथ अपना 1 दिन का बहुमूल्य समय अर्थात् दिनाँक 12 मार्च 2023, रविवार समाज के नाम करने सह परिवार अवश्य व अनिवार्य रूप से पहुंचे ताकि यह सम्मेलन समाज के लिए मील का पत्थर साबित हो सके।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950